प्रयागराज, रविवार 16 मार्च 2025 से शनिवार 22 मार्च 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-10
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
13

10.03.2025

11.03.2025

12.03.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

13.03.2025

14.03.2025

15.03.2025

मेट्रोपोलिस फाउंडेशन ने चिकित्सा के 353 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शोध-अनुदानों से सशक्त कर भविष्य के डॉक्टर किये तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोंएडा। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड, जो भारत की दूसरी सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित पैथोलॉजी लैब चेन है, की सीएसआर इकाई मेट्रोपोलिस फाउंडेशन ने नई दिल्ली में मेडएंगेज स्कॉलरशिप समिट 2024-25 के 7वें संस्करण का आयोजन किया। मेडएंगेज भारत के सबसे बड़े निजी चिकित्सा सहायता कार्यक्रमों में से एक है, जो युवा मेडिकल छात्रों को वित्तीय सहायता, शोध-अनुदान और कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। मेडएंगेज की स्थापना 2018 में मेट्रोपोलिस चेयरमैन इमेरिटस डॉ. सुशील शाह के विचार से हुई थी और वह सीएसआर की एक बड़ी पहल तथा पुरस्कार-विजेता कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है। आज तक इसके लिये देशभर से 10000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं। इस साल कुल 1.1 करोड़ रूपये की छात्रवृत्तियाँ एवं शोध-अनुदान चिकि?सा के 353 विद्यार्थियों को दिये गये हैं। इनमें शोध-अनुदानों प्राप्त करने वाले 43 विद्यार्थी शामिल हैं मेडएंगेज स्कॉलरशिप्स से चिकित्सा के अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों को एमबीबीएस की शिक्षा के सभी वर्षों में सहयोग मिलता है। इसमें एमडी/एमएस/डीएनबी के लिये पोस्टग्रेजुएट प्रशिक्षण और प्रशिक्षुता का अंतरिम वर्ष भी शामिल है। यह छात्रवृत्तियाँ शिक्षा, पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों और थीसिस की प्रस्तुति समेत शोध में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सराहती हैं। हर साल इस प्रोग्राम में 27 राज्यों के 500 शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस?थानों से आने वाले विद्यार्थी सक्रियतापूर्वक भाग लेते हैं इस समिट की शोभा चिकित्सा जगत के दिग्गजों ने बढ़ाई, जैसे कि दिल्ली मेडिकल काउंसिल के प्रेसिडेंट डॉ. अरुण गुप्ता, दिल्ली मेडिकल असोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. आलोक भंडारी और कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), नई दिल्ली में हेल्थ पॉलिसी के प्रिंसिपल एडवाइजर डॉ. शुभम सिंह। इसके अलावा, विभिन्?न विशेषज्ञताओं के प्रमुख चिकित्सा पेशेवर भी उपस्थित हुए और भारत में उभर रहे मेडिकल टैलेंट पर इस प्रोग्राम के असर का पता चला। इस पर अपनी बात रखते हुए, मेट्रोपोलिस फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. दुरु शाह ने कहा, ''मेडएंगेज एक शक्तिशाली मंच के तौर पर उभरा है, जो भविष्य के चिकित्सा पेशेवरों को बढ़ावा देता है और भारत की स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। कई आकांक्षी डॉक्टरों को आर्थिक बाधाएं होती हैं और व्यावहारिक प्रशिक्षण तक उनकी पहुँच बढ़े। समावेशन पर मजबूती से केन्द्रित होकर यह प्रोग्राम कम सेवा-प्राप्त क्षेत्रों के विद्यार्थियों की पहुँच बढ़ाता है। यह भविष्य की चुनौतियों के लिये तैयार स्वास्थ्यरक्षा का एक विविधतापूर्ण एवं सक्षम कार्यबल बनाता है।'' चयन की प्रक्रिया का प्रबंधन डेलॉइट द्वारा किया जाता है। इसमें छात्रवृत्ति पाने वालों को चुनने के लिये एक कठोर एवं प्रतिस्पर्द्धी तरीका होता है। शोध-अनुदानों के लिये एक सक्षम जूरी ने प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की गुणवता का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ थे। पैनल में कॉमनवेल्थ मेडिकल असोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. जे. ए. जयलाल, आईएमए के चेयरमैन डॉ. नरेन्द्र सैनी, राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आरएमएलआईएमएस), लखनऊ के डायरेक्टर डॉ. सी. एम. सिंह और एम्स जोधपुर के डॉ. प्रदीप अग्रवाल शामिल थे। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड में चीफ साइंटिफिक एण्ड इनोवेशन ऑफिसर और ग्रुप हेड- सीएसआर, डॉ. कीर्ति चड्ढा ने कहा, ''मेडएंगेज सिर्फ एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम नहीं है, बल्कि चिकित्सा में शोध, कौशल विकास एवं नवाचार को प्रेरित भी करता है। डाटा पर आधारित तरीके और विद्यार्थियों के साथ लगातार जुड़े रहकर यह प्रोग्राम उभरती शैक्षणिक आवश्यकताएं पूरी करता है। यह भविष्य के डॉक्टरों को स्वास्थ्यरक्षा की ज्वलंत चुनौतियों से निपटने की विशेषज्ञता प्रदान करता है। शोध पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देकर हम भारत की वैज्ञानिक प्रगति एवं आत्मनिर्भरता में योगदान देते हैं। हम चिकित्सा के नये पेशेवरों को बीमारियों के नियंत्रण, निदान और सुलभ वास्थ्यरक्षा समाधानों में नवाचार के लिये सशक्त कर रहे हैं।' मेडएंगेज छात्रवृत्तियों के अलावा सीखने के प्रत?यक्ष अवसर देता है, जैसे कि ऑब्जर्वरशिप प्रोग्राम्स, शैक्षणिक शोध में सहयोग, लेबोरेटरी टूर्स, इंटर्नशिप्स और मेडटॉक वेबिनार्स। यह पहलें विद्यार्थियों को मेट्रोपोलिस की आधुनिकतम प्रयोगशालाओं में विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ असली दुनिया का अनुभव प्रदान करती हैं।

अपनी रायबरेली-रमणीय रायबरेली के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा अपनी रायबरेली रमणीय-रायबरेली स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु विकास खण्ड अन्तर्गत तैनात सफाई कर्मचारियों की टीम लगाकर साफ-सफाई का कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये है।जिसके क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह द्वारा अपनी रायबरेली रमणीय रायबरेली स्वच्छता पखवाड़ा मनाये जाने हेतु समस्त सफाई कर्मियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए टीम भावना के साथ कार्य करने के निर्देश दिये गये। उक्त कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु आज विकास खण्ड-राही की ग्राम पंचायत गोविन्दपुर के राजस्व ग्राम पूरे सिद्धा में टीम लगाकर साफ-सफाई का कार्य प्रारम्भ कराया गया।इस दौरान जिला सलाहकार राहुल सिंह, प्रेरित कटियार, सहायक विकास अधिकारी (पं0) प्रेमपाल सिंह, सचिव ग्राम पंचायत सुषमा वर्मा एवं सुधीर चौधरी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अचानक टेंट की गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख- 5 गाड़ियों ने बुझाई आग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 में दो भाईयों नरेंद्र और अभय श्रीवास्तव का लगभग 20 सालों से कोजी टेंट के नाम से गोदाम हैं। नरेंद्र ने बताया कि लगभग 12 कर्मचारी है। उनका टेंट का सामान कई मैरिज हालों में जाता हैं। रविवार की सुबह कर्मचारी ने सूचना दी की टिनशेड वाली गोदाम में आग लग गई है। शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 स्थित कोजी टेंट की गोदाम में रविवार की सुबह 10:30 बजे भीषण आग लगने मोहल्ले में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धू-धू कर गोदाम में रखे त्रिपाल, मैट अन्य सामान जलने लगे। सूचना पर शाहपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। हालांकि, किसी ने शार्ट सर्किट बताया तो कुछ गोदाम के उत्तर तरफ कूड़ा जलाने से आग लगने की बात कर रहे हैं। फिलहाल, शाहपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम जांच कर रही हैं।जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 में दो भाईयों नरेंद्र और अभय श्रीवास्तव का लगभग 20 सालों से कोजी टेंट के नाम से गोदाम हैं। नरेंद्र ने बताया कि लगभग 12 कर्मचारी है। उनका टेंट का सामान कई मैरिज हालों में जाता हैं रविवार की सुबह कर्मचारी ने सूचना दी की टिनशेड वाली गोदाम में आग लग गई हैं। उन्होंने बताया कि गोदाम में लगभग 20 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। गोदाम का बीमा भी है।

प्रभारी मंत्री ने नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जनपद रायबरेली के सामुदायिक भवन रतापुर में सदर/सलोन विधानसभा क्षेत्र की नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मा0 मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, उ0प्र0/ जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान रहे। इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तथा सदर विधायक अदिति सिंह, सलोन विधायक अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा कुल 77 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। मा0 मंत्री द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि जनपद रायबरेली में कुल 350 रिक्त/विज्ञप्ति पद के सापेक्ष 337 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है, तत्क्रम में विधानसभा क्षेत्र सलोन की 61, विधानसभा सदर की 16 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों नियुक्ति पत्र वितरित किया गया शेष अन्य विधानसभाओं में भी जल्द ही नियुक्त पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। नव नियुक्त आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण करने वाला प्रदेश का दूसरा जिला रायबरेली है जहाँ नवनियुक्त आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया साथ ही पोषण पखवाड़ा मार्च 2025 का शुभारम्भ भी किया गया । पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत 16 मार्च से 31 मार्च 2025 तक जनान्दोलन के तहत समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों समस्त लाभार्थियों के पोषण स्तर में सुधार हेतु व्यापक गति विधियाँ सम्पन्न करेंगी। प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित स्पांसरशिप योजना के तहत चयनित पात्र लाभार्थियो का प्रमाणपत्र वितरित किये गये। मा0 मंत्री द्वारा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री को होली की बधाई देते हुए पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की गयी इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी राही गौरी राठौर व समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी व मुख्य सेविका उपस्थित रही।

उज्बेकिस्तान की 54-वर्षीय लिवर ट्रांसप्लांट मरीज की फोर्टिस नोएडा में की गई सफल किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोंएडा। नोएडा मेडिकल उत्कृष्टता का असाधारण परिचय देते हुए, फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा के नेफ्रोलॉजिस्ट तथा यूरोलॉजिस्ट की टीम ने उज्बेकिस्तान की 54-वर्षीय मरीज की जीवनरक्षक किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। मरीज किडनी फेलियर की समस्या से ग्रस्त थीं। मरीज का इससे पहले लिवर ट्रांसप्लांट भी किया जा चुका है और उस सर्जरी के लिए भी उनके बेटे ने ही अपने लिवर का एक हिस्सा डोनेट किया था। किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी डॉ अनुजा पोरवाल, डायरेक्टर, नेफ्रोलॉजी तथा डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर, यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस नोएडा की कुशल देखरेख में की गई। मरीज की इससे पहले पहले 2023 में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की गई थी और उस मामले में उनका बेटा डोनर था। कुछ ही महीने पहले, उनके किडनी रोग से ग्रस्त होने का भी पता चला और उपचार के लिए दवाएं शुरू हो गईं। लेकिन इसके बावजूद उनकी हालत लगातार बिगड़ती रही। लिवर ट्रांसप्लांट और इस वजह से इम्युनोसप्रेसिव दवाओं के सेवन के चलते, मरीज का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर था, और ऐसे में डायलसिस काफी जोखिमपूर्ण दीर्घकालिक समाधान था। पांच हफ्तों तक डायलसिस के बावजूद, उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी और डायलसिस के कारण ब्लड प्रेशर अचानक कम होने के कारण उनके ट्रांसप्लांटेड लिवर को भी नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया था। मरीज के इम्युनो-कॉम्प्रोमाइज्ड होने की वजह से बार-बार इंफेक्शन का खतरा भी था। ऐसे में किडनी ट्रांसप्लांट एकमात्र विकल्प बचा था, लेकिन उपयुक्त डोनर की तलाश करना किसी चुनौती से कम नहीं था। इन तमाम चुनौतियों के बीच, मरीज के बेटे ने, जो कि पहले भी अपनी मां की जीवनरक्षा के लिए अपने लिवर का एक हिस्सा डोनेट कर चुके हैं, इस बार अपनी बायीं किडनी डोनेट करने का फैसला किया। फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा में यह ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया और अब मां तथा बेटा दोनों सुचारू रूप से रिकवर कर रहे हैं। बेटे को पांच दिनों बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी जिससे एक बार फिर यह साबित हो गया कि उन लोगों के मामले में भी ऑर्गेन डोनेशन पूरी तरह से सुरक्षित होता है जो पहले भी अंगदान कर चुके हैं। डॉ अनुजा पोरवाल, डायरेक्टर, नेफ्रोलॉजी, फोर्टिस नोएडा ने कहा, यह मामला मरीज के पहले से लिवर ट्रांसप्लांट के चलते मेडिकल दृष्टि से चुनौतीपूर्ण था, जिसके लिए इम्युनोसप्रेसिव दवाओं के मामले में कुशल प्रबंधन और इंफेक्शन के जोखिमों को रोकने की आवश्यकता होती है। साथ ही, डायलसिस और पेरीऑपरेटिव पीरियड के दौरान मरीज के लिवर को भी सुरक्षित रखना तथा नई ट्रांसप्लांटेड किडनी की पूरी देखभाल भी जरूरी है। इस ट्रांसप्लांट की सफलता हमारी टीम की विशेषज्ञता और अंगदान में सुरक्षा दर्शाती है, साथ ही, इस मामले ने एक बार फिर यह साबित कर दिखाया है कि किडनी ट्रांसप्लांट का विकल्प किडनी बेकार होने की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ उपचार है।डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर, यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, इस मामले में जिस साहस और निस्स्वार्थ भाव का परिचय दिया गया, वह वाकई प्रेरणास्पद है। यह सिंगल डोनर के लिए एक ही रेसिपिएंट का जीवन दो बार बचाने का दुर्लभ मामला है, और यह मामला ऐसे मरीज में किडनी ट्रांसप्लांट करने से जुड़ी जटिलताओं को दिखलाता है जिनका पहले से लिवर ट्रांसप्लांट हो चुका है। मरीज की पिछली लिवर सर्जरी के एढेसिव भी मौजूद थे, जिसके कारण चीरा लगाना और अधिक मुश्किल हो गया था। इस मामले में सफल सर्जरी और सुचारू रिकवरी वास्तव में, ऑर्गेन ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में हुई प्रगति की ओर इशारा करती है और इस बात का भी प्रमाण है कि कैसे इससे मरीज को नया जीवनदान मिल सकता है। जो मरीज जो कुछ समय पहले तक मल्टी-ऑर्गेन फेलियर की समस्या से जूझ रही थीं, इस सफल सर्जरी के चलते अब हेल्दी और एक्टिव लाइफ बिता रही हैं।मोहित सिंह, ज़ोनल डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, यह मामला मेडिकल उत्कृष्टता और दयाभाव के साथ मरीज की देखभाल का उल्लेखनीय उदाहरण है। ऐसे मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट करना जिसका पहले से ही लिवर ट्रांसप्लांट हो चुका हो, काफी चुनौतीपूर्ण था और इसके लिए तालमेल और सटीकता की आवश्यकता होती है। हमारी टीम ने सफल परिणाम सुनिश्चित करने के लिए इम्युनोसप्रेशन मैनेजमेंट और ऑर्गन कॉम्पेटिबिलटी की जटिलताओं को पार किया। यह एडवांस ट्रांसप्लांट केयर और मरीजों के लिए नया जीवन प्रदान करने की फोर्टिस नोएडा की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

नोएडा में ठगोपाल नमो सेवा केंद्रठ द्वारा मेगा निःशुल्क आधार एवं आयुष्मान कार्ड शिविर का 10 मार्च से 20 मार्च तक का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोंएडा। नोएडा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में गोपाल नमो सेवा केंद्र द्वारा नोएडा सेक्टर 36 में एक विशाल निःशुल्क आधार एवं आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों को महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों

के निर्माण और सुधार में सहायता प्रदान करना है, ताकि वे सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें। गोपाल नमो सेवा केंद्र द्वारा अब तक 16 से अधिक जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इस केंद्र के माध्यम से हर वर्ग के नागरिकों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चों और बड़ों के लिए आधार कार्ड शिविर, तथा बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड योजना, ई श्रम कार्ड, विश्व कर्मा योजना जैसे महत्वपूर्ण अभियानों के अंतर्गत निरंतर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अब तक का सबसे बड़ा शिविर गोपाल नमो सेवा केंद्र द्वारा यह दस दिवसीय अब तक का सबसे बड़ा शिविर आयोजित किया गया है। यह विशाल निःशुल्क शिविर 10 मार्च से 20 मार्च 2025 तक नोएडा के सेक्टर 36, कम्युनिटी सेंटर में संचालित होगा। इसमें हर वर्ग के नागरिक, चाहे वे मजदूर, किसान, व्यापारी, विद्यार्थी या बुजुर्ग हों, निःशुल्क आधार और आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। सबका साथ, सबका विकासठ की दिशा में एक और कदम इस अवसर पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहाः हमारी मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि देश का हर नागरिक तक सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सके। आधार और आयुष्मान कार्ड हर भारतीय के लिए आवश्यक दस्तावेज हैं, जो कई सरकारी लाभों को सुलभ बनाते हैं। यह सेवा शिविर गौतमबुद्ध नगर की आम जनता के लिए समर्पित है, ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो और वे सरल प्रक्रिया के माध्यम से अपने दस्तावेज़ प्राप्त कर सकें।आज के उद्घाटन समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष दीनबंधु, आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष अनीता, समिति के अध्यक्ष गुप्ता जी, केनरा बैंक के मैनेजर सूर्यबली सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष ने कहाः गोपाल नमो सेवा केंद्र लगातार आम लोगों के बीच कार्य कर रहा है और हर वर्ग के नागरिकों को लाभ पहुंचा रहा है। मोदी जी की जनकल्याणकारी नीतियों को आम जन तक पहुँचाने का यह सराहनीय प्रयास है। नागरिकों से अपील गोपाल नमो सेवा केंद्र की ओर से सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे इस शिविर का अधिकतम लाभ उठाएँ और अपने तथा अपने परिवार के लिए आवश्यक दस्तावेज़ बनवाएँ।

जनपद के प्रभारी मंत्री ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी उपलब्ध कराये जाने का प्रतीकात्मक चेक किया गया प्रदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन सभागार, लखनऊ में प्रदेश के उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार रायबरेली में किया गया। इस कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के लगभग 100-150 लाभार्थी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के उज्ज्वला कार्यक्रम के सम्बोधन को सुना गया। इस कार्यक्रम में जनपद में मुख्य अतिथि के रूप में मा0 मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, उ0प्र0/जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान जी उपस्थित रहे, मा0 मंत्री जी द्वारा उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों एवं उपस्थित अन्य समस्त उज्ज्वला लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा होली के त्यौहार पर सब्सिडी रू0 511.95 का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया गया।इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला पूर्ति अधिकारी विमल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी एवं ऑयल कम्पनियों के विक्रय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

होली बाद भाजपा को महानगर, यमुनापार एवं गंगापार का अध्यक्ष मिलना तय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भाजपा के नए जिलाध्यक्षों के नाम पर मंथन शुरू हो गया है। संगठन की दृष्टि से प्रयागराज में तीन अध्यक्ष बनाए जाते हैं। इसमें महानगर, गंगापार और यमुनापार शामिल है। लोकसभा चुनाव में एक सीट पर भाजपा की हार के बाद माना जा रहा है कि पार्टी तीनों जगहों पर नए चेहरों को जगह दे सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव और महाकुंभ संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें भाजपा प्रदेश संगठन पर टिकी हैं।बताया जा रहा है कि होली बाद प्रयागराज महानगर, यमुनापार एवं गंगापार के जिलाध्यक्षों के नामों का एलान किया जा सकता है। पार्टी नेताओं ने इस बात के भी संकेत दिए हैं जिलाध्यक्षों के चयन के जरिये पार्टी सभी सियासी और जातीय समीकरण को भी साधेगी। 2027 की शुरुआत में ही यूपी विधानसभा का चुनाव है। पिछले वर्ष विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने भले ही बेहतर प्रदर्शन किया हो। लेकिन, लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं आया। इसे लेकर तमाम समीक्षाएं भी हुईं। प्रयागराज की ही बात करें तो फूलपुर लोकसभा सीट भाजपा किसी तरह से बचाने में कामयाब हो सकी।

अराजक तत्वों ने जलाई होलिका ग्रामीणों में आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लसड़ा में गुरुवार की सुबह अराजक तत्वों द्वारा होलिका जला दी गई जिससे ग्रामीणों में आक्रोश ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने पुलिस को सूचना देकर ममलेश कराया अवगत।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विमलेश पांडे ने बताया कि गुरुवार की सुबह अराजक तत्वों द्वारा होलिका जला दिया गया इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा प्राप्त हुई है जिस पर मौके पर जाकर देखते हुए पुलिस को सूचना दी गई है उसकी जांच पड़ताल की जा रही है पुलिस के माध्यम से कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी उधर पूरे ग्रामीण में होलिका जलाई जाने पर आक्रोश है मामला संदिग्ध होने के कारण ग्राम प्रधान द्वारा पूरे ग्रामीण से अपील की गई है कि सभी लोग मिलकर उस अराजक तत्व को खोजें और उसकी कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए जिससे आइंदा पुनर्विवृद्धि करने सेवा घबराए।

होली का पर्व उत्साह, उमंग एवं भाईचारे के साथ मनाएं, प्रकृति के संरक्षण के लिए ले संकल्प - कमिश्नर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 13 मार्च 2025- कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के नागरिकों को होलिका दहन एवं रंगो का पर्व होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने शुभकामना संदेश में कहा कि होली का त्यौहार हम सबको भाईचारे एवं सौहार्द का संदेश देता है। साथ ही हमे प्रकृ ति के संरक्षण के लिए हरे भरे पेड़ों की सुरक्षा तथा रासायनिक रंगों का उपयोग नही करने का संकल्प लेना चाहिए कमिश्नर ने शहडोल संभाग के नागरिको से अपील करते हुए कहा कि ने होली का पर्व परंपरा के अनुरूप उत्साह एवं उमंग के साथ आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के वातावरण मे यह पर्व मनाए तथा अनजाने व्यक्तियों पर रंग गुलाल आदि नही डालने, नशों से दूर रहने तथा स्वयं, परिवार तथा समाज की सुरक्षा को ध्यान में रखकर ही होली का त्योहार मनाएं।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण पर गोष्ठी कर डाला प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अश्वनी कुमार की अगुवाई में नो स्मोकिंग डे मनाते हुए धूम्रपान से होने वाली शारीरिक कहानियों के बारे में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विधिवत प्रकाश डाला और वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर गणेश प्रसाद ने तंबाकू से होने वाली शारीरिक कहानियां के साथ कैंसर जैसी प्राण घातक बीमारी का उपहार प्रदान करने वाला बताया इस दौरान भक्तों ने धूम्रपान 9 करने का संकल्प लेते हुए अपने और अपनों के बीच धूम्रपान का प्रतिकार करने की बात कही गई इस मौके पर डॉक्टर बी सागर डॉक्टर बी के श्रीवास्तव डॉक्टर प्रदीप डॉक्टर अर्जुन यादव डॉक्टर आरके सिंह डॉक्टर दीप्ति सिंह डॉक्टर तपन मंडल डॉक्टर डीके सिंह दिनेश श्रीवास्तव दीपक सिंह पुष्पेंद्र शुक्ला अविनाश मिश्रा सपना श्वेता सुरेश कुमार सुनील श्रीवास्तव के साथ जिला बाल संरक्षण समिति के सदस्य धर्मेंद्र कुमार पांडे ने अपना हस्ताक्षर बनाकर संकल्प लेते हुए धूम्रपान वह तंबाकू निषेध के लिए लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

अबीर गुलाल लगाकर यूपी बोर्ड परीक्षा हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। यूपी बोर्ड परीक्षा के इंटरमीडिएट के अंतिम दिन बुधवार को नगर के आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज पर परीक्षा के समापन के बाद प्रधानाचार्य संतोष कुमार मौर्य के नेतृत्व में सभी छात्र छात्राओं को कबीर गुलाल लगाकर दी गई होली की शुभकामनाएं संतोष कुमार मौर्य ने बताया कि होली के पर्व के पूर्व बच्चों के बोर्ड परीक्षा संपन्न होने पर बच्चों के उत्साह और भी बेहतर देखने को मिले वहीं अंतिम दिन बच्चों को अमीर गुलाल लगा कर उनका आशीर्वाद देकर शुभकामनाएं समस्त टीचर परिवार द्वारा दी गई। इस मौके पर सचल दल प्रभारी विवेकानंद मिश्रा, मंजू सिंह , संजय कुमार सुनील राव योगेंद्र कुमार रूबी यादव सहित आदि लोक मौजूद रहे।

क्रिकेट मैच डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन हुई विजेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को सोनभद्र के तीयरा स्टेडियम रॉबर्ट्सगंज में सम्पन्न क्रिकेट मैच में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने जिला जज एकादश को पांच विकेट से हरा दिया ।। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिला जज एकादश ने 20 ओवर में 137 रन बनाए, जिसमें सर्वाधिक रन सिविल जज सिनियर डिविजन अमित कुमार ने 37 रनबनाया।। बाद में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 7 गेंद शेष रहते 139 रन बनाकर मैच जीत लिया ।। मैन ऑफ द मैच डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के खिलाड़ी राहुल जैन को तीन विकेट लेने और सर्वाधिक 44 रन बनाने के लिए दिया गया ।। इस सद्भावना क्रिकेट मैच के मुख्य अतिथि जिला जज रविन्द्र विक्रम सिंह जी ने विजेता टीम के कप्तान जगजीवन सिंह और उप विजेता टीम के कप्तान पॉक्सो एक्ट कोर्ट जज अमित वीर सिंह को ट्राफी प्रदान किया और सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया।। विशिष्ट अतिथि के रूप में आए भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र भाई पटेल एडवोकेट भी उपस्थित होकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।। सभी जजेज की उपस्थिति रही, आयोजन समिति के मुख्य रूप से उपस्थित जगजीवन सिंह, श्याम बिहारी यादव, रोशन लाल यादव, रेयाज अहमद, राम जियावन सिंह यादव एवं अन्य सभी खिलाड़ी अधिवक्ता उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि फैमिली कोर्ट जज राजेंद्र सिंह, ए डी जे प्रथम जितेंद्र कुमार द्विवेदी, एस सी/एस टी जज आबिद शमीम, ए डी जे मिडिएशन शैलेन्द्र यादव, सी जे एम आलोक यादव, सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित कुमार तथा मुंसिफ नावेद अख्तर मौजूद थे।। अंत में सीनियर अधिवक्ता रोशन लाल यादव ने सभी का आभार प्रकट किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आदिवासी ग्रामीण महिलाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में और दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के डूभा गांव में ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं को उनके सम्मान, उनके शसक्तीकरण और उनके अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया उस दौर में इस कार्यक्रम में 17 देशों की महिलाओं ने नेतृत्व किया था और यह आयोजन कामकाजी महिलाओं के सम्मान के महिला दिवस पर चर्चा करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम विश्व की उन सभी महिलाओं को समर्पित है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई और लोगों के सामने नज़ीर पेश किया। कामरेड आर के शर्मा ने महिला दिवस पर जिक्र करते हुए कहा कि सन् 1910 में डेनमार्क देश की राजधानी कोपेनहेगन में पहली बार वामपंथी कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया उस दौर में इस कार्यक्रम में 17 देशों की महिलाओं ने नेतृत्व किया था और यह आयोजन कामकाजी महिलाओं के सम्मान के लिए आयोजित किया गया था। तबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम लगभग सभी देशों में विभिन्न विभिन्न समारोह के माध्यम से आयोजित किया जाता है। जबकि इस दिवस का महत्व तभी है जब हम महिलाओं की सुरक्षा, उनके शसक्तीकरण की बात और उनके अधिकारों प्रति जागरूकता अभियान चलाने जैसे कार्यक्रम को आयोजित करें ।कामरेड शान्ती देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुए पीयरीमाटी में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को आगे ले जाने की बात कही। दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के डूभा गांव में भी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया और दर्जनों महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। उपरोक्त कार्यक्रम में हिरामनी देवी, रजवंती देवी, अनिता, फूलवंती, दशमती, कलावती, अमरावती, लालती, सावित्री, रीता, रानी कुमारी, गीता, हीरावती,फगूनी देवी आदि के साथ साथ भाकपा के अमर नाथ सूर्य, प्रेम चंद्र गुप्ता, हृदय नारायण, सुरेश गोंड, धनुक पनिका व अंकिता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

होली का पर्व शांति और सौहार्दपूर्वक मानने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 12 मार्च 2025 - होलिका दहन एवं होली (धुरेडी) का त्यौहार शांति, शालीनता एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने हेतु आज कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव एवं शान्ति समिति के सदस्यों की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि होलिका दहन एवं होली (धुरेडी) का पर्व शांति और सौहार्दपूर्वक मनाया जाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि होलिका दहन का कार्यक्रम रात्रि 11.00 बजे तक पूर्ण कर लिया जाये तथा इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए कि होलिका ऐसे स्थानों पर रखी जाये, जिसके कारण यातायात बाधित न हो तथा बिजली, टेलीफोन के तार, पेड़ आदि न हो। उन्होनें कहा कि होलिका दहन का कार्यक्रम जिन स्थानों पर किया जाये तथा होलिका रखे जाने वाले स्थानों की सूची पुलिस कन्ट्रोल रूम में उपलब्ध कराया जाये। होलिका में सूखी लकड़ी व परम्परागत ईंधन का ही उपयोग किया जाये किसी भी परिस्थिति में हरे पेड़ों को काटकर होलिका दहन में उपयोग न करें। कलेक्टर ने यह भी कहा है कि होली का रंग दूसरे व्यक्ति की सहमति से ही डाला जाये, जिससे अनावश्यक विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका श्री घनश्याम जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नरेन्द्र सिंह, समाजसेवी श्री रविन्दर गिल, श्री संजीव निगम, श्री राजेश गुप्ता, श्री शान उल्ला खॉन, शांति समिति के सदस्यगण सहित थाना प्रभारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

'सक्षम' नेत्रदान संकल्प पत्र अभियान में भाजपा महिला मोर्चा की सक्रिय भागीदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन का संविचार संगठन) द्वारा जिला मुख्यालय पर नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह अपनी टीम के साथ उपस्थित रहीं और इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।कार्यक्रम का आयोजन 'सक्षम' की महिला प्रकोष्ठ प्रमुख नीतू संजीविया के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने नेत्रदान के महत्व को समझा और समाज में इस जागरूकता को बढ़ाने का संकल्प लिया।भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ठनेत्रदान एक महान सेवा है, जिससे किसी नेत्रहीन व्यक्ति को रोशनी मिल सकती है। हमें समाज में इस अभियान को व्यापक रूप से फैलाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस महादान के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम मे देश की जानी मानी गीतकार डॉ रचना तिवारी जी को जनपद सोनभद्र का वन नेशन-वन इलेक्शन प्रकोष्ठ का जिला संयोजक बनाये जाने पर सक्षम की तरफ से सम्मानित किया गया और उनके नेतृत्व मे नेत्र संकल्प भरवाया गया। डॉ रचना तिवारी ने कहा की सक्षम संगठन देश भर मे सराहनीय कार्य कर रहा है। खास तौर पर इस महाकुंभ में जब सक्षम की तरफ से नेत्र कुंभ का आयोजन हुआ तो इस बार देश ही नहीं विश्व स्तर पर नेत्र कुंभ को एक अलग पहचान मिली जिसकी तारीफ प्रधानमंत्री ने खुद की और मुख्यमंत्री अपनी कैबिनेट के साथ नेतृत्व में पहुंचे इस तरह के आयोजन से समाज के अंतिम व्यक्ति जो जरूरतमंद है उनको लाभ मिला है।इस तरह के संगठन के कार्यक्रम में आना और अपनी बात रखना बहुत ही सुखद अनुभूति है। सक्षम की महिला अध्यक्ष नीतू संजीविया ने संगठन की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सक्षम आगे भी समाज कल्याण से जुड़े ऐसे अभियानों को बढ़ावा देता रहेगा। इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने भी नेत्रदान का संकल्प लिया। इस अभियान को लेकर समाज में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और कई अन्य संगठनों ने भी इस पहल की सराहना की।सक्षम के जिला सचिव सौरभ कांत पति तिवारी ने बताया कि जनपद मे संगठन द्वारा नेत्र कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें दूर दराज के जरूरतमंद लोगों का नेतृत्व प्रशिक्षण कर आवश्यकता अनुसार उनका ऑपरेशन भी करवाया जाएगा यह महीने में लगभग एक बार जगह चिन्हित कर लगाया जाएगा युवा प्रमुख पार्थ सारथी किरीट ,वत्स मिश्रा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दी आर्यांस एकेडमी, संत नगर राबर्ट्सगंज आज विद्यालय प्रांगण में होली का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बच्चों व अध्यापक अध्यापको ने एक दूसरे को लाल, हरी,पीली, गुलाबी रंग व गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी व होली खेलकर अपनी खुशी जाहिर की। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती चित्रा जालान जी ने सभी बच्चों को होली की हार्दिक बधाई दी व बताया कि होली का त्योहार आपसी भाईचारे व एकता का प्रतीक है। वहीं दूसरी ओर प्रबंध निदेशक श्री विनोद कुमार जालान जी ने सभी बच्चों को गुलाल लगाकर बधाई दी व बताया कि हमको ऑर्गेनिक रंग का ही प्रयोग करना चाहिए। बाजार में तमाम मिलावटी रंग मिल रहे हैं जो स्कीन इन्फेक्शन व अन्य बीमारियों के कारण बन सकते हैं उनसे बचना चाहिए ।जब भी रंग या गुलाल खरीदें इसका पूरा ध्यान रखें। इस अवसर पर निशा चौबे ,प्रियंका, नवीन पांडे रोमा , अपर्णा, सुल्ताना प्रतिमा, सुमन , सुषमा, महेश नीतीश , अश्विन मिश्रा, हरिओम पांडे और बच्चों में धन्या, नित्या, आभास, अमन, अनुष्का, अनुभव, दिव्यांश, दिव्यांश वर्मा, आराध्या, तृषा, अंशु, आदविक आदि बच्चे उपस्थित रहे।

काव्य दीप साहित्य संस्था की रंगोत्सव कवि गोष्ठी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।चुर्क में रविवार दोपहर कवि दिलीप सिंह दीपक के आवास पर काव्य दीप साहित्य संस्था द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार अजय चतुर्वेदी काका के अध्यक्षता व अशोक तिवारी के संचालन में समसामयिक रंगोत्सव कवि गोष्ठी आयोजित किया गया। विधिवत मां सरस्वती को माल्यार्पण दीपदान पश्चात दिवाकर द्विवेदी मेघ की वंदना,तेरे चरण की वंदना मां हम सदा करते रहें सुनाकर आगाज किया। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट निदेशक शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र ने, वीरों ने होली खूनो से खेली फांसी चढे जै हिंद थी बोली , केसरिया रंग रंगा रसिया फागुन में,,,, सुनाया और वाहवाही बटोरी। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने खेलन आई होरी सुंदरी,खेलन आई होरी, सुनाया और सराहे गए। दयानंद दयालू ने सोनभद्र हमार उड़े जहां रंगवा अबीरिया सुनाया। धर्मेश चौहान ने, लगता है भंवरा बन कर पास तेरे आऊं जब तूं मुस्काती है सुनाया और गतिज ऊर्जा दिये।सोन साहित्य संगम के संयोजक राकेश शरण मिश्र ने आंसू और आह से संबंधित रचना सुनाया और करुण रस का संचार कर सबको भावविह्वल कर दिया। प्रभात सिंह चंदेल ने वीर रस की रचना सरहद के जवानों को समर्पित सुनाया और वाहवाही लूटी। संयोजक दिलीप सिंह दीपक ने रंग उड़ानें लगे मुरारी भस्म उड़ाते हैं त्रिपुरारी सुनाया और शमां बांध दिए। जयराम सोनी ने हास्य व्यंग सुनाकर श्रोताओं को देर तक हंसाते रहे। ओजस्वी कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने अपनी रचना कितना सुन्दर देश हमारा , खुदा ने खुश होकर धरती पर खुद है स्वर्ग उतारा। सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया अशोक तिवारी ने, अदब से उल्फत है जुर्म तो फिर ए जुर्म हम सौ बार करेंगे सुनाया।मेघ दिवाकर द्विवेदी ने ,बी ए पढ़ै लागल बा बेटौवा हास्य व्यंग सुनाकर खूब हंसाते रहे। दिव्या राय कवयित्री ने मत रोको सांवरिया घूंघट में मुझे नील गगन तक जाने दो सुनाकर नारी सशक्तिकरण पर चिंतन दिया। अध्यक्षता करते हुए अजय चतुर्वेदी काका ने ,जनजन के मुड़े पर फागुन सवार हौ का करीं, होली क सबही पर चढल बुखार हौ का करीं सुनाया और गोष्ठी को विराम दिये। इस अवसर पर निहाल यादव अश्विनी कुमार शुभम मुकेश अनुराग मोहित ऋषभ त्रिपाठी ठाकुर कुशवाहा पुरुषोत्तम कुशवाहा आदि रहे।

नन्हे मुन्ने स्कूली बच्चों ने खेली आपस में अबीर गुलाल की होली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में मंगलवार को बच्चों के द्वारा होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । विद्यालय के छात्रों ने एक साथ मिलकर होली के रंगों में सराबोर होकर भारतीय संस्कृति का उत्सव मनाया । इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद जैन ने कहा कि होली रंगों और खुशी का त्योहार है जो सामाजिक एकता, बुराई पर अच्छाई की जीत, और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है।होली जाति, धर्म और समाज की दीवारों को तोड़कर सभी को एकजुट करती है, जिससे प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। यह भारत के सबसे प्राचीन और लोकप्रिय त्योहार में से एक है जिसे न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में 50 से अधिक देश में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। होली खुशी और आनंद का समय है, जहाँ लोग पुरानी बातों को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करते हैं। होली सिर्फ हिंदू संस्कृति तक सीमित नहीं बल्कि यह उन सभी के लिए एक आनंदमय अवसर है जो जीवन में सकारात्मक और उत्साह के रंग भरना चाहते हैं । उन्होंने छात्रों को होली की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित होली खेलने की सलाह दी।इसके पश्चात संतोष कुमार पांडे ने बताया कि होली का त्योहार खुशी ,एकता और नई शुरुआत का संदेश देता है होली का पर्व बहुआयामी है। इस दिन समाज से ऊंच-नीच, गरीब-अमीर जैसी विभाजक भावनाएं विलुप्त हो जाती हैं। यह त्यौहार हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश भी देता है । उन्होंने बताया कि आग में बैठने पर होलिका तो जल गई पर प्रहलाद बच गया । ईश्वर भक्त प्रहलाद की याद में इस दिन होलिका जलाई जाती है और प्रहलाद के सकुशल बचने की खुशी में रंग गुलाल उड़ाकर उत्सव मनाया जाता है।होली का त्योहार प्रेम और सद्भावना से जुड़ा त्योहार है जिसमें अध्यात्म का अनोखा रूप झलकता है। इस अवसर पर अंबर उपाध्याय, सुरेंद्र यादव शिक्षक मनोज दुबे ,संजू पांडे ,मधुकर पांडे ,आकांक्षा तिवारी, चंदन सिंह, मनीष पांडे, मनीष त्रिपाठी,पूजा,आदि शिक्षक शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विविध

मेरा देश भारत

एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए दिल छू लेने वाली होली मिलन का नेक्स वन कमर्शियल सेंटर में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के दिल को छू लेने वाली होली नेक्स वन कमर्शियल सेंटर में मनाई गई इस होली मिलन के अवसर पर हिंदू और मुस्लिम एक साथ में होली मनाने के लिए आए । रंगों का यह जीवंत त्योहार वसीम अहमद अंसारी के उदार प्रायोजन से संभव हुआ, जिन्होंने इस आयोजन के लिए निधि व्यय को वहन किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी नेफोमा नोएडा एक्सटेंशन फ्लैट ऑनर्स मेंबर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अन्नू खान ने उत्सव के उत्साह को और बढ़ा दिया नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने सभी को बधाई देते हुए सबका आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा होली रंगों का त्योहार है रंग हमें आपस में जोड़ना सिखाते है होली पर हम सभी भाईचारे की देश में मिशाल कायम करे जो देश में नफरत की राजनीति करना चाहते है ऐसे तत्वों से हमेशा दूरी बना कर रखे यह कार्यक्रम इस बात का एक सुंदर उदाहरण होगा कि कैसे त्यौहार लोगों को धार्मिक सीमाओं को पार करते हुए एक साथ ला सकते हैं। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के प्रतिभागी उत्सव में शामिल हुए, रंगों से खेले, उपहारों का आदान-प्रदान किया और इस अवसर की खुशी मनाई। यह उत्सव एकता और समावेशिता की भावना का एक वसीयतनामा होगा जो हमारे समुदाय को परिभाषित करता है। यह दर्शाता है कि हमारे मतभेदों के बावजूद, हम अपनी साझा मानवता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आ सकते हैं। जैसा कि हम बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाते हैं, आइए हम एकता और दोस्ती की शक्ति का भी जश्न मनाएं जो हमारे समुदाय को मजबूत बनाती है। इस मौके पर नेक्स वन वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, महासचिव प्रभात कुमार, वसीम अंसारी, अंकुर, धर्मेन्द्र कुमार भाटी, गौरव छाबड़ा, योगेश कुमार, रेहान खान आदि लोग उपस्थित रहे ।

होली पर विश्वनाथ धाम में सीएम योगी ने भेजा अयोध्या का खास गुलाल, बाबा को किया गया अर्पित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। होली के अवसर पर भगवान राम के नगरी अयोध्या का गुलाल बाबा विश्वनाथ को अर्पित किया गया। वर्ष 2024 की होली पर पहली बार बाबा को हर्बल गुलाल अर्पित किया गया थाश्री काशी विश्वनाथ धाम में अयोध्या के राज्य पुष्प कचनार से निर्मित हर्बल गुलाल से होली शुरू हुई। होली पर वर्ष 2024 से बाबा विश्वनाथ को कचनार पुष्प गुलाल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुई। कचनार हर्बल गुलाल लखनऊ स्थित नेशनल बोटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार किया गया है। होली के पर्व पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भेंट किए गए कचनार फूलों से निर्मित हर्बल गुलाल काशी विश्वनाथ को वर्ष 2024 की होली पर पहली बार अर्पित किया गया था। इस वर्ष भी इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए एनबीआरआई लखनऊ ने कचनार गुलाल का निर्माण कर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास वाराणसी को उपलब्ध कराया गया। विज्ञापन विशेष वाहक द्वारा यह भेंट लखनऊ से वाराणसी भेजी गई। शुक्रवार को होली के पर्व पर कचनार हर्बल गुलाल न्यास के अधिकारियों, मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण एवं डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण द्वारा बाबा विश्वनाथ को अर्पित किया गया।

जनपद में धूम्रपान निषेध दिवस का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार के मार्ग निर्देशन में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शुभ्रा मित्तल तथा तम्बाकू नियंत्रण प्रभारी जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ डॉक्टर श्वेता खुराना के नेतृत्व में जनपद में धूम्रपान निषेध दिवस का आयोजन किया गया। धूम्रपान निषेध दिवस के उपलक्ष में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय नोएडा के सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने हस्ताक्षर अभियान, गोष्टी और शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग किया।सभागार में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शुभ्रा मित्तल ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों को तंबाकू की लत में न पड़ने के लिए प्रेरित किया और जो लोग धूम्रपान की लत से पीड़ित हैं उन्हें धूम्रपान जैसी आदतों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ललित ने यह आदेश जारी किए कि कार्यालय में यदि कोई भी व्यक्ति धूम्रपान करते हुए पाया जाता है तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाए और साथ ही कार्यालय को धूम्रपान रहित कार्यालय घोषित किया। सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया और प्रण लिया कि वह न केवल खुद् तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करेंगे बल्कि अपने परिजनों परिचितों और बच्चों को भी तम्बाकू उत्पाद का सेवन न करने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके साथ ही जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों दादरी ज़ेवर डाडा डासना बिस्तरा बघेल में हस्ताक्षर अभियान और शपथ ग्रहण का आयोजन वृहद स्तर से किया गया, जिसमें अस्पताल ग्रेटर नोएडा ने अपने तंबाकू उन्मूलन केंद्र में आने वाले मरीज़ों के साथ शपथ ग्रहण का आयोजन किया। जिम्स के डॉक्टर सुप्रकाश मंडल और नोडल अधिकारी तम्बाकू उन्मूलन केंद्र ने आने वाले मरीज़ों को तंबाकू की लत से होने वाली हानियों के बारे में अवगत कराया और युवकों में इसकी लत से हो रही बीमारी के बारे में जागरूक किया। जनपद तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉक्टर श्वेता खुराना ने बताया कि इस वर्ष धूम्रपान निषेध दिवस का थीम "क्विट एंड विन" है जिसका मतलब कि यदि आप तंबाकू को छोड़ते हैं तो आप जीवन में जीते हैं। तंबाकू की लत छोड़ने से न केवल स्वास्थ्य बेहतर होता है साथ ही मानसिक रूप से भी आप दृढ़ बनते हैं। धूम्रपान और तंबाकू की लत से पीड़ित व्यक्तियों को कई बीमारियां होती है उन बीमारियों के उपचार में उनका पैसा बर्बाद होता है। उन्होंने बताया कि धूम्रपान छोड़ने के कुछ ही मिनटों के भीतर शरीर ठीक होना शुरू हो जाता है और समय के साथ अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। मानसिक रूप से चिंता, एनजाईटी, स्ट्रेस आदि कम हो जाता है धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर उन्होंने बताया कि धूम्रपान छोड़ने से मानसिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आते हैं जो लोग तनाव या चिंता से ग्रसित होते हैं वह सिगरेट की लत में आसानी से पड़ जाते हैं लेकिन उसके हानिकारक रसायनों से गंभीर रूप से बीमार पड़ जाते हैं। जबकि धूम्रपान छोड़ने से चिंता कम होती है और आदमी स्वस्थ महसूस करता है , उसे बेहतर नींद आती है और शारीरिक रूप से भी वह स्वस्थ अनुभव करता है। डॉक्टर श्वेता ने बताया कि लगातार धूम्रपान करने वाले व्यक्ति हर हफ़्ते महीने और साल भर में सिगरेट पर काफ़ी पैसा खर्च़ करते हैं । यह पैसा सिगरेट और तंबाकू जैसे बीमारी पैदा करने वाले उत्पादों पर न खर्च़ करके अन्य जीवनशैली गतिविधियों पर खर्च़ किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई धूम्रपान छोड़ना चाहता है तो जब वह यह निर्णय लेता है उस वक़्त अपने परिजनों की सहायता लेना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। चाहे वे क़रीबी दोस्त हो या परिवार वाले हो जिनके माध्यम से वह अपने इस निर्णय पर जुटा रह सकता है। तंबाकू उन्मूलन क्विट लाइन सर्विसिस जोकि निःशुल्क होती है वहाँ पर भी परामर्श के सहायता से धूम्रपान की आदत छुड़वाई जा सकती है। जनपद गौतमबुद्ध नगर में विभिन्न निजी और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के सौजन्य से तंबाकू उन्मूलन केन्द्रों की स्थापना की गई है यहाँ पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्साधिकारी, स्टाफ़ नर्स, विभिन्न कार्यक्रमों में कार्यरत काउंसलरों को तंबाकू उन्मूलन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया गया है साथ ही उन्मूलन संबंधी दवाओं को भी उपलब्ध कराया गया है । जिससे कि जनपदवार हर जगह तंबाकू उन्मूलन सेवाएँ मिल सके। माह अप्रैल से अब तक जनपद में लगभग 1700 व्यक्तियों ने धूम्रपान उन्मूलन सेवाओं का लाभ भी उठाया है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शुभ्रा मित्तल ने यह आदेश सभी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया है कि वह न खुद तंबाकू उत्पादों का सेवन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके केंद्र में आने वाले व्यक्तियों को तम्बाकू और धूम्रपान जैसे पदार्थों का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा और तम्बाकू छुड़वाने के लिए परामर्श और उपचार लगातार दिया जाएगा।

गाजीपुर में एसएसओ व लाइनमैन बर्खास्त; जेई-एसडीओ निलंबित; ट्रांसफार्मर से 4 लोगों के झुलसने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गाजीपुर। गाजीपुर जिले में ट्रांसफार्मर फटने से चार लोगों के झुलसने के मामले में सब स्टेशन ऑफिसर और लाइनमैन को बर्खास्त किया गया है। साथ ही जेई और एसडीओ निलंबित कर दिए गए। वहीं दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। गाजीपुर जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा उसिया के मोती नगर में ट्रांसफार्मर फटने और उसके खौलते तेल से चार लोगों के झुलसने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। दोषी पाए जाने पर लाइनमैन और सब स्टेशन ऑफिसर को बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि जेई और एसडीओ को निलंबित किया गया है। साथ ही मामले में दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कार्रवाई के बारे में जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा किया है। उन्होंने एक्स पर कार्रवाई की जानकारी देते हुए लिखा कि ट्रांसफार्मर लगाने और लगवाने की प्रक्रिया में सीधे रूप से शामिल लाइनमैन मंटू सिंह कुशवाहा एवं सब स्टेशन ऑफिसर आजाद सिंह कुशवाहा को बर्खास्त करते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी गई है। इस प्रकरण में जिम्मेदार जेई शशिकांत पटेल एवं एसडीओ कमलेश कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही मंटू और सद्दाम खान निवासी उसिया के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है।उर्जा मंत्री ने अपने एक्स पर लिखा कि जमानिया क्षेत्र में दिलदार नगर विद्युत उपखण्ड के भदौरा 33/11 के वी विद्युत उपकेन्द्र के उसिया गांव की एक आइस फैक्ट्री पर 25 केवीए का ट्रांसफार्मर गलत, अनधिकृत एवं अवैध रूप से लगाते हुए एक दुर्घटना हुई।

इसमें कुछ व्यक्ति घायल हुए हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उर्जा मंत्री ने यह भी लिखा है कि गाजीपुर जिले में ट्रांसफार्मर सहित विद्युत तंत्र के अवैध कारोबार करने एवं उसमें माफियाओं का हाथ और उनको राजनैतिक संरक्षण की भी संभावना दिखाई दे रही है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रांसफार्मर अवैध था और अनधिकृत रूप से एक आइस फैक्ट्री पर लगाया जा रहा था जिसका कनेक्शन बिल न जमा होने की वजह से पहले ही काट दिया गया था।उसिया ग्राम सभा अंतर्गत मोतीनगर में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर कई दिनों से जला हुआ था। जिसे बदलने के लिए टेंपो से दूसरा ट्रांसफार्मर आया। पुराना ट्रांसफार्मर उतारकर नया सुबह नौ बजे उसे लगाया गया और बिजली आपूर्ति शुरू कराई गई लेकिन, 10 मिनट बाद जैसे ही आपूर्ति चालू हुई कुछ देर बाद ही ट्रांसफार्मर में धमाका हुआ और वह फट गया। ट्रांसफार्मर का खौलता तेल फौव्वारे की तरह राहगीरों पर पड़ा। इससे उसिया गांव निवासी महताब खान (46), महताब खान (28) साहिल उर्फ अदनान खान (18) और बारा निवासी कृष्णा राजभर (17) गंभीर रूप से झुलस गए। सभी वाराणसी रेफर कर दिया गया।संविदा पर तैनात लाइनमैन मंटू का हाथ भी झुलस गया है। लाइनमैन का कहना है कि मुझे पिछले दस दिनों से जेई और ठेकेदार द्वारा बोला जा रहा था कि आइस फैक्ट्री वाले का ट्रांसफार्मर लगा दो, नहीं तो नौकरी से बर्खास्त कर दिए जाओगे। आरोप है कि उसने जेई से कहा था कि ट्रांसफार्मर का कोई पीआर नंबर नहीं है फिर भी जेई द्वारा मुझे दबाव दिया गया तब जाकर हम ट्रांसफार्मर को चढ़ाए और चार्ज करने के दौरान ब्लास्ट हो गया, उससे हाथ झुलस गया वहीं जेई शशिकांत पटेल ने कहा कि ट्रांसफार्मर कहां से आकर लगाया जा रहा है इसकी जानकारी नहीं है। जबकि ग्रामीण कुछ और ही कहानी बता रहे थे। उनका कहना था कि कुछ माह पहले एक ठेकेदार के घर से 12 ट्रांसफार्मर अवैध तरीके से पुलिस ने पकड़ा था। उसके ही माध्यम से यह भी ट्रांसफार्मर मंगाया गया था। चर्चा तो यह भी है कि ट्रांसफार्मर के लाइन से एक आइस फैक्ट्री भी चलती है।

सदर ब्लॉक प्रमुख के नेतृत्व में हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर ब्लॉक सभा कर में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों की एवं ग्राम प्रधानों की हुई विकास कार्यों को लेकर बैठक जिसमें विकास कार्यों को लेकर 36 प्रस्ताव प्राप्त हुए। क्षेत्र पंचायत अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी उत्कर्ष सक्सेना के नेतृत्व में बैठक का शुभारंभ हुआ इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रधान द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर 36 प्रस्ताव के मुद्दे उठाए जिस पर ब्लॉक प्रमुख द्वारा सहमति दिखाई गई।

अखाड़ों के देशभर में चलते हैं कॉलेज और अस्पताल, जानें किन शहरों में है सेवा का साम्राज्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
काशी। अखाड़ों के देशभर में निशुल्क कॉलेज और अस्पताल चलते हैं। इनकी कमाई का जरिया दान के अलावा खेती, दुकान और आश्रम का किराया भी है। ये सामाजिक सरोकार से भी जुड़कर सेवा करते हैं। नागा साधु और संत आध्यात्म का श्रृंगार कर सिर्फ धर्म की रक्षा और विस्तार ही नहीं करते, बल्कि देश सेवा में भी अपनी भूमिका निभाते हैं। ये अखाड़े देशभर में निशुल्क कॉलेज, अस्पताल सहित अन्य सेवाएं देते हैं। संस्कृत पाठशालाओं के अलावा इन अखाड़ों के यूजी-पीजी कॉलेज के साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज भी चलते हैं। उनकी आय का जरिया सिर्फ दान-दक्षिणा ही नहीं, आश्रम व दुकान के आने वाले किराये और खेती से होने वाली आय भी है। धर्म रक्षा और सनातन को बढ़ाने के लिए आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित अखाड़े चार तीर्थ नदियों के तट पर लगने वाले अर्धकुंभ, कुंभ और महाकुंभ में पूरे राजसी अंदाज में शामिल होकर आध्यात्मिक ऊर्जा अर्जित करते हैं। हर शहरों में दर्जनों अखाड़े हैं, जहां नागा साधु-संन्यासी रहकर पूजन-अर्चन और अनुष्ठान में लगे रहते हैं। हर अखाड़ों के पास कई एकड़ जमीनें हैं। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गिरि महाराज ने बताया कि अखाड़ों के विभिन्न आयामों से होने वाली आय से मठ, मंदिरों, अखाड़ों और आश्रमों के निर्माण-जीर्णोद्धार आदि कार्य होते हैं। इसके साथ सामाजिक सरोकार के कार्य होते हैं, ताकि गरीबों के बच्चों की पढ़ाई, असहायों लोगों का इलाज आदि सेवाएं हो सकें। अखाड़े असहायों की शादी-विवाह भी करवाते हैं। जूना व निरंजनी अखाड़े गरीबों की बेटियों की शादी करवाते हैं। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के रवींद्र गिरि महाराज व निरंजनी के श्रीमहंत रवींद्रपुरी ने बताया कि मठ और मंदिरों के दान के अलावा आश्रम, दुकान और खेती भी हमारी आय का माध्यम है।

सम्पादकीय

वैचारिक अंतर्द्वंद्व से त्रस्त कांग्रेस, पार्टी के अंदर एक-दूसरे को लेकर संदेह का माहौल

हाल में राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने अहमदाबाद में प्रमुख नेताओं के साथ बैठक में अपने नेताओं को दूसरी पार्टी यानी भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाने से लेकर उन्हें बारात के घोड़े तक की संज्ञा दे दी। उन्होंने भाजपा से मिलकर काम करने वाले 30-40 कांग्रेस नेताओं को निकालने की भी बात कही। गुस्से या खीझ में वक्तव्य देने का केवल गुजरात नहीं, पूरे देश के आम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के अंदर संदेश सकारात्मक नहीं गया होगा। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकार कह सकते हैं कि कांग्रेस को जगह-जगह चुनावी जीत दिलाना और राष्ट्रीय स्तर पर भी सत्ता में लाना है तो भितरघात करने वालों तथा पार्टी के विचार और लक्ष्य के अनुरूप न काम करने वालों को बाहर करना पड़ेगा। किसी पार्टी में अगर भितरघाती सक्रिय हों तो इसे सामान्य भाषा में गद्दारी कहते हैं। राहुल की बातों को स्वीकार कर लें तो उन्हें दूसरे दल से मिलकर काम करने वाले नेताओं को बाहर करने से रोकने वाला कोई नहीं है, किंतु यह इतना सामान्य नहीं है। उन्होंने जो कहा, उसका निहितार्थ उतना सपाट भी नहीं है। काफी समय से कांग्रेस में वैचारिक अंतर्द्वंद्व जारी है जो समय-समय उभरता रहता है। केरल में तिरुअनंतपुरम से सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर का मामला सामने है। चूंकि थरूर बड़े नेता हैं, इसलिए उनका मामला देशव्यापी चर्चा में आ गया। हर राज्य में ऐसे नेताओं की बड़ी संख्या है, जिन्हें इसी तरह संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जिस पार्टी के अंदर एक-दूसरे को लेकर संदेह का माहौल हो, कल्पना कर सकते हैं कि उसकी दशा क्या होगी। थरूर ने अपने लेखन और वक्तव्य से ऐसे वैचारिक बदलाव का कोई संकेत दिया नहीं है कि वह आरएसएस और भाजपा की विचारधारा के निकट हैं। यह अलग बात है कि सरकार की कई नीतियों खासकर मोदी सरकार की विदेश नीति पर उनके वक्तव्य व्यावहारिक तथ्यों के साथ रहे हैं। सही को सही कहना भी किसी पार्टी में भाजपा समर्थन या आंतरिक अनुशासन तोड़ना है तो इसका कोई रास्ता नहीं है। एक समय प्रधानमंत्री मोदी ने भी तो थरूर के आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण की प्रशंसा की थी। वर्तमान भारतीय राजनीति का सच यह है कि हर पार्टी में प्रकट या मौन हिंदुत्व समर्थक बढ़े हैं। कुछ नेताओं और पार्टियों का इस सच से सामना हुआ है कि किसी भी स्थिति में हिंदुत्व विरोधी दिखने से उनके जनाधार पर विपरीत असर पड़ेगा। उन्हें सार्वजनिक तौर पर स्वयं को हिंदुत्वनिष्ठ-धर्मनिष्ठ प्रदर्शित करना पड़ रहा है। ऐसा करते हुए वे संघ और भाजपा को गलत हिंदुत्ववादी बताते हैं। एक समय राहुल और उनके पूर्व के रणनीतिकार भी धर्मनिष्ठ होने का प्रदर्शन कर रहे थे। वह मंदिर- मंदिर जा रहे थे। उस समय राहुल को जनेऊधारी हिंदू ब्राह्मण बताया गया था। उनकी कैलास मानसरोवर की यात्रा तक हुई। इसके पीछे रणनीति यही थी कि प्रधानमंत्री मोदी का सामना करना है तो कांग्रेस और उसके नेतृत्व को भी हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद पर आना पड़ेगा। कांग्रेस के अनेक नेता सार्वजनिक मंचों से स्वयं को हिंदू और धर्मनिष्ठ कहने लगे थे। क्या वे भाजपा, संघ या मोदी समर्थक हो गए थे इस समय भारत सहित विश्व भर में एक अजीब किस्म के वामपंथ का प्रभाव दिख रहा है, जो राष्ट्र-राज्य से लेकर सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक मामलों और पर्यावरण, विकास, शिक्षा आदि पर अतिवादी विचार अभियान चला रहा है। सारे प्रमुख देशों में इसका असर दिख रहा है। यह सीधे-सीधे नए तरह का फंडामेंटलिज्म है, जिसका भावानुवाद धार्मिक कट्टरता नहीं हो सकता। विदेश यात्राओं में राहुल गांधी को समय-समय पर ऐसे लोगों या समूहों के साथ देखा गया है। उनके रणनीतिकार और सलाहकारों में भी ऐसे लोग हैं। राहुल गांधी का एक आक्रामक वामपंथी नेता का स्वरूप सामने आया है। यह स्वरूप मोदी या हिंदुत्व विचार के पुरोधाओं के विरुद्ध वैचारिक फंडामेंटलिज्म की श्रेणी में ही आएगा। इसमें वोट के लिए कट्टर मुस्लिमवाद को प्रश्रय देने का व्यवहार अपने आप शामिल हो जाता है। गुजरात में कांग्रेस जिले-जिले से टूट कर भाजपा में समाहित होती गई। अन्य राज्यों में भी कांग्रेस की दुर्दशा है। इसके कारणों को समझना होगा। कांग्रेस के अंदर नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य का गंभीर संकट पैदा हुआ है। असंतुष्ट खेमे जी-23 के पीछे सतह पर अनेक कारण थे, लेकिन उनमें एक प्रमुख वैचारिकी भी था। इन नेताओं को लगा कि देश की मुख्य भावना के विरुद्ध अतिवादी विचार से कांग्रेस का और बंटाधार होगा। राहुल के कई पूर्व निकटस्थ विश्वसनीय सलाहकार मुख्यधारा से बाहर हुए या नेपथ्य में चले गए। भारत की तासीर धर्म और अध्यात्म है। इसका मूल हिंदुत्व में है। हमारा राष्ट्रभाव इसी से उत्प्रेत है। सेक्युलरवाद हमारे यहां सर्वपंथ समभाव है। सच यह है कि राहुल और उनके रणनीतिकारों के व्यवहार से पार्टी के अंदर बड़ी संख्या में लोग असहज महसूस करते हैं। उदाहरण के लिए जब मोदी सरकार अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाने का विधेयक लाई तो कांग्रेस नेतृत्व के विपरीत कई नेताओं ने उसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि 370 हटाना बिल्कुल सही है। अयोध्या में मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भी लगभग हर राज्य से कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व की भावनाओं के परे रुख अपनाया। महाकुंभ में आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-पुनर्जागरण का जो विराट रूप दिखा, वह बदलते भारत का प्रमाण था, जिसे हर पार्टी के नेताओं का बड़ा वर्ग प्रत्यक्ष महसूस कर रहा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के इस वक्तव्य से बड़े वर्ग की असहमति थी कि क्या गंगा नहाने से गरीबी मिट जाएगी अनेक कांग्रेसी नेता संगम में डुबकी लगाने गए। इनमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी थे, जिनके बारे में सूचना है कि राहुल गांधी की मंडली उनसे नाराज है।

होली विशेषः बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में मसाने की होली का रंग

ऐसा नहीं है कि होली, ईद, दशहरा, दीपावली कोई पहली बार एक ही दिन पड़ रहा हैं। पर इस बार माहौल में कुछ ज्यादा ही तनाव है। कहीं मस्जिदें ढंकी जा रही हैं, तो कहीं अस्पतालों में हिन्दू और मुसलमानों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए जाने की बात हो रही है। होली के कई रंग हैं। पर सबरंग मिलाकर जो एक रंग बनता है, वह है अपने -पराये , ऊच- नीच , बड़े -छोटे , पंथ - सम्प्रदाय, भाषा - भूसा,यहां तक कि स्त्री -पुरुष के भेद को मिटकर एकमेव होने की प्रवृत्ति।यह प्रवृत्ति दअरसल देश - काल की परिधि में घटित होने वाली चेतन सत्ता का विस्तार है।इसलिए यह पृथ्वी अनेक धर्मों के मानने वाले, अनेक भाषाओं को बोलने वाले जनों का निवास स्थान बनी हैं.अथर्ववेद के ऋषि ने पृथ्वी -सूक्त में इस तथ्य को पहचाना और बताया कि नानात्व के भीतर छिपी एकता , सहिष्णुता और समवाय के स्वर ही किसी राष्ट्रजीवन का मूलमंत्र है। जीवन का वरदान है।ऋत् और सत् हमारे अस्तित्व काल से विश्व जीवन की नियामक शक्तियां रही हैं। यही आगे चलकर धर्म कहलाया।धर्म की यहीं परिभाषा वैदिक संहिताकार और महाभारतकार वेदव्यास ने भी किया है।धर्म के विषय में उनका अभिव्यक्त विचार तो स्वर्णाक्षरों में अंकित करने लायक है - अर्थात् उस धर्म को प्रणाम है, जो सब मनुष्यों को धारण करता है। सबको धारण करने वाला जो नियम है , वहीं धर्म है।धर्म की इस सर्वव्यापी-सर्वस्पर्शी वैदिक परम्परा से अनजान लोग ही आनंदोत्सव और हर्षोल्लास के पर्व होली पर तमाम तरह का वितंडा खड़ा कर रहे हैं, जो न उचित है और न विवेक सम्मत ही। ऐसा नहीं है कि होली, ईद, दशहरा, दीपावली कोई पहली बार एक ही दिन पड़ रहा हैं। पर इस बार माहौल में कुछ ज्यादा ही तनाव है। कहीं मस्जिदें ढंकी जा रही हैं, तो कहीं अस्पतालों में हिन्दू और मुसलमानों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए जाने की बात हो रही है। फिर भी इस राजनीतिक तनाव से बेफिक्र काशी के मसाने की होली का अपना अलग रंग -ढंग और मिजाज है। बरसाने की लड्डूमार होली और लठमार होली से बिल्कुल अलग। पुण्य कमाने और शारीरिक पवित्रता के अलावा तमाम तरह के द्वेष और कलुष को जीवन से मिटाने की होली। इस साल कुम्भ से लौटे नागा साधुओं के लिए यह होली कुछ ज्यादा ही खास है। प्रयागराज में कुम्भ स्नान के बाद ये नागा संन्यासी काशी आते हैं। बाबा विश्वनाथ के दरबार में पाक-साफ होने और चिंता भस्म से अपने को पवित्र करने -भगवान शिव के शक्ति स्वरूप बाबा मसाननाथ के भस्म लगाने भर से हर तरह के पाप धूल जाते हैं।इसलिए हर छः साल के बाद कुम्भ स्नान के बाद नागा साधुओं,अघोरियों और किन्नरों के लिए बाबा मसाननाथ की चित्ता की भस्म होली का विशेष महत्व है। इसके बाद नागा साधु कहां चले जाते हैं, कुछ पता नहीं। इस भस्म होली में वैसे तो गृहस्थों और स्त्रियों को भाग लेने की मनाही है।पर भगवान शिव की शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोग भाग लेते हैं। काशी में ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव रंगभरी एकादशी के दिन माता पार्वती की गौना के बाद द्वादशी के दिन महाश्मशान में अपने गणों के बीच होली खेलने पहुंचते है। उनके पहुंचते ही भूत, प्रेत, पिशाच सब निहाल हो गये। परंपरा के अनुसार शक्ति स्वरूप बाबा मसाननाथ और मां मसान काली की पूजा की जाती है। आरती -पूजन के बाद भोग-प्रसाद, लाल- नीला - गुलाल और चिंता भस्म चढ़ाया जाता है। फिर बाबा मसाननाथ की शोभायात्रा निकाली जाती है। होली का यह उत्सव काशी में पांच दिनों तक भिन्न-भिन्न तरीके से चलता हैं। इसके बाद होली के पहले मंगलवार को 'बुढ़वा मंगल' का कार्यक्रम आयोजित होता है। इसमें काशी के बड़े-बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है एक जमाने में सबसे ज्यादा काशीवासियों को इंतजार रहता था हाल-हाल तक अस्सी चौराहे पर आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन का। इस अवसर के लिए बड़े जतन, सूझबूझ, और साहित्यिक प्रतिभा का सम्मेलन में जिन कवियों की विशेष तौर पर मांग होती थी, उनमें कुछ प्रमुख नाम हैं- चकाचक बनारसी ऊर्फ रेवती रमण श्रीवास्तव, सूंड़ जी ऊर्फ दान बहादुर सिंह, बेढ़व बनारसी ऊर्फ कृष्ण प्रसाद गौड़, चोंच बनारसी ऊर्फ कामता नाथ पांडेय राजहंस चोंच और बेधड़क बनारसी ऊर्फ काशी नाथ उपाध्याय। इनमें से किसी एक के कवि सम्मेलन के संचालन अथवा उपस्थिति मात्र से पर्याप्त भीड़ इकट्ठा होने और उस कवि सम्मेलन की सफलता की पक्की गारंटी होती थी। इनमें शायद ही अब कोई इस दुनिया में बचा हों।काशी के बड़े साहित्यकारों, संगीतज्ञों और रसिकों के अलावा इन कवि सम्मेलनों में से आसपास के कई जिलों के कवि बड़े उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इस कवि सम्मेलन की खासियत यह होती थी कि देश - विदेश के बड़े - बड़े नेताओं को ऐसी - ऐसी गालियों से नवाजा जाता हैं कि उसका अर्थ शायद ही किसी शब्दकोश में मिलें।लगभग हर कवि माइक पर बड़े ज़ोर से किसी कविता की एक लाइन पढ़ता है और बाकी काम वहां उपस्थित जनता के हवाले- बड़े - बड़े विद्वान तुम्हारी मां बाकी हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमुदाय अगली लाइन खूब जोरों दुहराते हैं। होली के मिजाज पर हिन्दू कवियों से कुछ कम कविताई मुसलमान कवियों ने नहीं किया है।खासकर राधा -कृष्ण प्रसंग को लेकर अथवा सूफियाना अंदाज में। यह परंपरा अमीर खुसरो की कविता में अपने अंदाज में प्रकट होती है। खुसरो बाजी प्रेम की मैं खेलूं पी के संग। जीत गयी तो पिया मोरे हार पी के संग।

दूध-दही से लेकर बारूद से भी खेली जाती है होली, एक नहीं कई रंग हैं त्योहार के

पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर में लगभग 300 वर्ष से डोलची (बाल्टी) मार होली खेली जा रही है। इसमें पुरुष ऊंट की खाल से बनी डोलची में पानी भरकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। मेवाड़ की बारूद की होली विश्व प्रसिद्ध है। उदयपुर से करीब 45 किलोमीटर दूर मेनार गांव में जमराबीज पर जबरी गेर के नाम से यह अनूठी होली खेली जाती है। मेवाड़ की इस होली में रंग नहीं, बारूद इस्तेमाल होता है। बंदूकों और तलवार की आवाज से युद्ध जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। भारत के अन्य राज्यों की भांति राजस्थान में होली की अलग-अलग परंपराएं हैं। राज्य में अबीर-गुलाल से लेकर बारूद की होली भी विश्व प्रसिद्ध है। राज्य का डीग क्षेत्र ब्रजभूमि का ही हिस्सा है। डीग के गुलाब कुंड को होली का उद्गम स्थल माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जब भगवान कृष्ण ने अपने श्याम वर्ण को लेकर माता यशोदा से प्रश्न किया था, तब माता ने गोपियों और राधा के साथ होली खेलने की सलाह दी थी और तभी से यह परंपरा शुरू हुई। आज भी यहां पर लट्ठमार होली बरसाना और नंदगांव की तर्ज पर खेली जाती है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर में लगभग 300 वर्ष से डोलची (बाल्टी) मार होली खेली जा रही है। इसमें पुरुष ऊंट की खाल से बनी डोलची में पानी भरकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। मेवाड़ की बारूद की होली विश्व प्रसिद्ध है। उदयपुर से करीब 45 किलोमीटर दूर मेनार गांव में जमराबीज पर जबरी गेर के नाम से यह अनूठी होली खेली जाती है। मेवाड़ की इस होली में रंग नहीं, बारूद इस्तेमाल होता है। बंदूकों और तलवार की आवाज से युद्ध जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। होली के दिन पांच महलों से ओंकारेश्वर चौक पर मेवाड़ी पोशाक में सज-धजकर योद्धा हवाई फायर और तोपों से गोले दागते हैं। मध्य रात्रि को तलवार की

जबरी गेर भी खेली जाती है। बारूद से होली की यह परंपरा पिछले 400 साल से अधिक वर्षों से चली आ रही है। बारूद की होली के लिए पूरे गांव को दुल्हन की तरह सजाया जाता है।राजस्थान का इतिहास लिखने वाले इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने भी मेनार गांव का उल्लेख अपनी किताब 'एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान' में मनिहार नाम के गांव से किया है। गांव का संबंध महाराणा प्रताप के पिता उदय सिंह से भी जुड़ा हुआ था। जालोर के आहोर में पत्थर मार होली खेली जाती है, जिसे भाटा गेर भी कहते हैं। इसमें दो गुट एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते हैं। ऐसी मान्यता है कि देवी के वरदान से चोटें सात दिन में ठीक हो जाती हैं। यह परंपरा 100 साल से अधिक पुरानी है, जिसे आज भी गांव के लोग निभा रहे हैं। नाथद्वारा में होली से पहले नंद महोत्सव होता है, जिसमें दूध और दही से होली खेलने की एक परंपरा है। श्रीनाथजी को केसर मिश्रित दूध-दही से भोग लगाया जाता है और फिर भक्तों पर इसका छिड़काव किया जाता है। राजस्थान में सहरिया जाति की होली दुनियाभर में अपने अनोखे अंदाज के लिए प्रसिद्ध है। सहरिया जाति स्वांग नृत्य, परंपरागत फाग व रसिया गीत गाते हैं, जिसमें राम-रावण युद्ध, कृष्ण लीला आदि से संबंधित प्रसंग होते हैं। ढोल, मटकी, नागरी, मजीरा जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाता है। सहरिया स्वांग की विशेषता यह है कि शरीर पर गुलाल लगाकर नृत्य किया जाता है। सहरिया क्षेत्र के गांव में होली से 8 दिन पहले ही लोग रात-रात भर फाग गाते हैं। जोधपुर के प्राचीन गंगश्याम मंदिर में फागुन मास की शुरुआत से रंग पंचमी तक 40 दिनों तक होली खेली जाती है। भगवान कृष्ण के सामने होली के गीतों के साथ अबीर गुलाल और फूलों का प्रयोग होता है।

जीवन रस का संचार करती होली, अपने अहंकार से मुक्त होने का पर्व

प्रकृति के नैसर्गिक सौंदर्य के साथ अपने माधुर्य को सबके साथ बांटते हुए वसंत ऋतु मनुष्य और प्रकृति सबमें उल्लास का संचार कर देती है। वसंत को कामनाओं के स्वामी कामदेव का पुत्र कहा गया है। उसे काम का सेनापति भी कहा जाता है। वसंत की फागुनी बयार के साथ मन मचलने लगता है। उसी उल्लसित मन का प्रकाश होली के उत्सव में अभिव्यक्त होता है, जो आता है और थोड़े समय में ही ओझल हो जाता है। वसंत तरु, पादप, पशु, पक्षी और मनुष्य समेत सबको मथ कर उनके अस्तित्व को पुनर्नवा कर देता है। वसंत भारत में रंगों की निराली छटा में दिखता है। तब वायुमंडल में फूलों की गंध तैरने लगती है। पेड़ों पर नए पत्ते और फूल आते हैं। इस बीच बुलबुल और कोयल की बोली भी आमंत्रण देती है। प्रवासी पक्षी भी दूर-दूर से आते हैं। रसिया, गणगौर आदि के गीत में वसंत की ही गूंज होती है। वसंत की दस्तक के साथ ही हमारे आंतरिक और बाह्य अस्तित्व में बदलाव का श्रीगणेश होता है। वैसे तो वसंत सार्वभौमिक है, कुछ उसी तरह जैसे आदमी के जीवन-विस्तार में किशोर और यौवन की अवस्था स्वाभाविक रूप से आती है, परंतु इसकी अभिव्यक्ति और अनुभूतियां देश-काल पर निर्भर करती हैं। वसंतोत्सव साल भर मनाए जाने वाले उत्सवों का सिरमौर है। यह लोक उत्सव है। लोक यानी सारा का सारा दृश्यमान जगत उसमें सम्मिलित होता है। भारतीय मानस राम, कृष्ण, शिव जैसे देवताओं को भी इस उत्सव के आयोजन में शामिल करने में नहीं हिचकता। कृष्ण कन्हैया राधा के संग और नटराज शिव गौरा पार्वती के संग रंग-बिरंगी होली खेलते हुए न केवल कवि-गणों को प्रेरित करते रहे हैं, बल्कि अवधपुरी, ब्रज-भूमि और काशीधाम जैसे क्षेत्रों के जीवन में भी अनिवार्य रूप से रच-बस गए हैं। रंगोत्सव भारतीय मनोभाव और सामाजिक उद्यम को उजागर करता है। होली के अवसर पर घर-गांव से दूर रहने वाले नौकरीपेशा लोग आज भी अपने गांव और मूल स्थान पहुंचने की भरसक कोशिश करते हैं। अपनों के बीच और अपनों के साथ होली मनाने का अपना ही आनंद होता है। छोटे-बड़े, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब आदि के नकली घरौंदों से बाहर निकल कर लोग अपने स्वाभाविक जीवन जीने को आतुर होते हैं। वे खुशी-खुशी एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं और एक-दूसरे को बधाई देते हैं। इस अवसर पर बच्चे हों या बड़े-बूढ़े सभी अपने घरों पर और आने वाले पड़ोसियों और मित्रों के साथ गली-मुहल्ले में इस सामूहिक आनंदरस के सागर में तृप्ति पाते हैं। हालांकि समय के साथ इस उत्सव को मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव भी आते रहे हैं। आज जीवन की गतिशीलता, तकनीकी का हस्तक्षेप और व्यस्तता के चलते महानगरों में खुले मन से आश्वस्तिपूर्वक दो क्षण

बिताना दूभर हो रहा है। अब फागुन फागुन न रह कर 'मार्च' हो चुका है। यानी साल भर का ब्योरा संभालने की समय सीमा का पालन। नौकरीपेशा लोगों और कारोबारियों के लिए यह बेहद खास होता है। व्यस्तताओं के अंबार के बीच अपने लिए समय घटता जा रहा है। लोग भी नए दौर की लाचारी को जानने-समझने लगे हैं और संपर्क में आ रही कमी को बुरा नहीं मानते। यांत्रिकता के हावी होने के साथ हमारे रहन-सहन और उसके तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं। इस शुद्ध सांस्कृतिक आयोजन पर अब बाजार तेजी से हावी होता जा रहा है। रासायनिक तत्वों की उपस्थिति और मिलावट के चलते रंग, अबीर और गुलाल ही नहीं, पकवान होती जा रही है, फिर प्रकृति की अपनी जिद है। सब कुछ के बावजूद वृक्ष और जंगल सृष्टि के नए पन के संकल्प को जीवित रख रहे हैं। नया वर्ष और संवत्सर का आरंभ जीवन के नए ऋतुचक्र का आगाज होता है। फागुन के बाद चैत के महीने में आम के बौर में कैरियां आती हैं। वसंत और होली से जुड़े दर्द, उन्माद और माधुर्य की अनुभूतियों के साथ ढेरों कविताएं लिखी गई हैं। इन कविताओं में विरह का विशेष उल्लेख किया जाता है। होली सामूहिक उल्लास के साथ व्यष्टि को समष्टि बनाने वाला उत्सव है। फाग के गीतों में सबको साथ ले चलने की पुकार होती है। इसमें हमें 'हम' और 'वे' के सोच से ऊपर उठना होगा। मतवाला वसंत अकेले और अपरिचित को भी संगियों के बीच बिठा देता है। वह अपनी सीमाओं को पहचान कर अपनी सत्ता को पुनः परिभाषित करने के लिए प्रेरित करता है। अपने आवरण छोड़ उससे बाहर निकलने के लिए चित्त को सक्रिय करता है। होली का उत्सव नीरसता का सांस्कृतिक प्रतिकार है। जीवंतता के साथ सबको साथ लिए चलने के समग्र उत्साह के साथ होली जटिल होते दौर में जीवन रस का संचार करती है। वसंत की आनंद वृत्ति यही है कि दूसरे को सुखी करो। हम सभी एक सृष्टि के अंग हैं। एक विराट पुरुष है और शेष सभी उसी के प्रकाश हैं। एक अनेक होता है। रंगोत्सव हमें अपने अहंकार से मुक्त होने और उदार मन वाला होने के लिए उकसाता है। अपनी लघुता पहचान कर समष्टि का अंश बनने का अनुभव और अवसर देता है। हालांकि स्वयं की परिधि को पहचान कर उसे विस्तृत करने और उससे परे जाने की कोशिश आत्मानुशासन की मांग करती है। अहंकार जब दूर होता है तभी आत्मविस्तार का सिलसिला आरंभ होता है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

शानदार संगीत था नासिर हुसैन की फिल्मों की खासियत, इस संगीतकार के साथ बनाई हिट जोड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक ऐसा निर्देशक, जिसने किसी अभिनेता के स्टारडम का कभी समर्थन नहीं किया, बल्कि अपनी कहानियों के दम पर अपनी फिल्में बनाईं, जो कि हिट साबित हुईं। पुण्यतिथि के मौके पर जानिए इस निर्देशक के बारे में। अगर किसी फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और रोमांस सबकुछ मिल जाए और साथ में फिल्म का संगीत ऐसा हो कि गाने सालों बाद तक आपकी जुबान पर बने रहें, तो भला ऐसी फिल्मों को कौन नहीं देखना चाहेगा और कौन नहीं याद रखेगा। हालांकि, ऐसी फिल्म बनाना आसान भी नहीं होता है, इसीलिए शायद अब ऐसी फिल्में बनना कम हो गई हैं। मगर बॉलीवुड के इतिहास में एक ऐसा निर्देशक-निर्माता हुआ है जिसने एक नहीं बल्कि कई ऐसी फिल्में बनाई हैं, जिसमें आपको एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और ड्रामा सबकुछ देखने को मिलेगा, साथ ही फिल्मों का संगीत भी आपको हमेशा याद रहेगा, नाम है नासिर हुसैन। अपनी फिल्मों के यादगार संगीत के लिए मशहूर नासिर हुसैन सिर्फ निर्देशक ही नहीं बल्कि पटकथा लेखक और निर्माता भी थे। उन्होंने बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दीं। आज नासिर हुसैन की 23वीं पुण्यतिथि पर जानते हैं उनसे जुड़े कुछ किस्से। 1926 को भोपाल में जन्मे नासिर हुसैन ने अपने करियर की शुरूआत बतौर पटकथा लेखक (स्क्रिप्ट राइटर) की थी। 1948 में नासिर हुसैन ने कमर जलालाबादी के साथ फिल्मिस्तान कंपनी के लिए काम किया, जहां वो बतौर पटकथा लेखक काम करते थे। इस दौरान फिल्मिस्तान के लिए नासिर हुसैन ने कई हिट फिल्में लिखीं, जिनमें 'अनारकली', 'मुनीम जी' और 'पेयिंग गेस्ट' जैसी बेहतरीन फिल्में शामिल हैं। पटकथा लेखक के रूप में काम करने के बाद 1957 में शशधर मुखर्जी ने नासिर हुसैन को बतौर

फिल्म निर्देशक पहली फिल्म दी 'तुमसा नहीं देखा' शम्मी कपूर, अनीता और प्राण जैसे कलाकारों से सजी ये फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई। इस फिल्म ने शम्मी कपूर की किस्मत बदलकर रख दी। इसके बाद 1959 में नासिर हुसैन ने शम्मी कपूर को लेकर एक और फिल्म बनाई 'दिल देके देखो'। इस फिल्म में नासिर हुसैन ने आशा पारेख के रूप में एक नई अभिनेत्री को लॉन्च किया था। ये फिल्म भी काफी पसंद की गई। इसके बाद नासिर हुसैन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और बतौर निर्देशक एक के बाद एक कई सुपरहिट फिल्में दीं। जिनमें 'जब प्यार किसी से होता है', 'फिर वो ही दिल लाया हूं', 'कारवां', 'हम किसी से कम नहीं' और 'आंगन' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। निर्देशक के रूप में सफलता पाने के बाद नासिर हुसैन ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस खोल लिया और निर्माता-निर्देशक बन गए। नासिर हुसैन फिल्म्स के तहत उन्होंने एक से बढ़कर एक म्यूजिकल हिट फिल्में दीं। जिनमें 'यादों की बारात' और 'तीसरी मंजिल' समेत कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। फिल्मों के साथ-साथ नासिर हुसैन की व्यक्तिगत जिंदगी भी काफी यादगार और चर्चा में रही। नासिर हुसैन अपनी फिल्म की अभिनेत्री से ही इश्क कर बैठे थे। ये अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री आशा पारेख थीं। फिल्म 'दिल देके देखो' से महज 16 साल की उम्र में बतौर अभिनेत्री अपना करियर शुरू करने वाली आशा पारेख अपनी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही नासिर हुसैन को दिल दे बैठी थीं। दोनों के बीच कितना गहरा प्यार था इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों ने एक साथ एक-दो नहीं बल्कि सात फिल्मों में साथ काम किया। यही नहीं 1959 में आई आशा पारेख की पहली फिल्म 'दिल देके देखो' के बाद से 1971 में 'कारवां' तक नासिर हुसैन की हर फिल्म में आशा पारेख ही लीड एक्ट्रेस रहीं। नासिर हुसैन और आशा पारेख की प्रेम कहानी काफी चर्चा में रही और लंबे वक्त तक चली। हालांकि, ये प्रेम कहानी इसलिए मुकम्मल नहीं हो सकी क्योंकि नासिर हुसैन पहले से शादीशुदा थे और दो बच्चों के पिता थे। लंबे रिलेशनशिप के बाद आखिरकार आशा पारेख ने इस रिश्ते को खत्म कर दिया। आशा पारेख नहीं चाहती थीं कि उनकी वजह से किसी का घर टूटे। हालांकि, नासिर से रिश्ता टूटने के बाद आशा पारेख ने किसी से शादी नहीं की और सिंगल ही रहीं नासिर हुसैन की खासियत थी कि उन्होंने कभी किसी एक्टर के स्टारडम का सहारा नहीं लिया। इसीलिए उन्होंने किसी भी एक स्टार के साथ जोड़ी नहीं बनाई। नासिर हुसैन ने शम्मी कपूर के साथ तीन फिल्में करने के अलावा देव आनंद, जॉय मुखर्जी, राजेश खन्ना, शशि कपूर, जितेंद्र और धर्मेंद्र को एक-एक फिल्म में निर्देशित किया। राजेश खन्ना के भी साथ उन्होंने उनके करियर के शुरूआती दिनों में काम किया। इसके अलावा दो फिल्मों में उन्होंने ऋषि कपूर के साथ भी काम किया। नासिर हुसैन की फिल्मों की विशेषता उनका संगीत होता था। नासिर हुसैन की फिल्मों के गीत आज भी लोगों की जुबान पर बने रहते हैं। फिर वो चाहें 'तीसरी मंजिल' फिल्म के गाने हों, या 'यादों की बारात' और 'हम किसी से कम नहीं' के। नासिर हुसैन की जोड़ी संगीतकार आरडी बर्मन के साथ हिट थी। 1966 में तीसरी मंजिल से शुरू हुआ निर्देशक-संगीतकार की इस जोड़ी का सिलसिला 1985 में आई जबरदस्त तक चला। इस दौरान इस जोड़ी ने कई सदाबहार नगमें दिए, जो आज भी उतने ही पसंद किए जाते हैं। साल 1967 में आई फिल्म 'बहारों के सपने' से जुड़ा नासिर हुसैन का एक किस्सा काफी मशहूर है, जहां दर्शकों का गुस्सा देखकर नासिर हुसैन ने फिल्म का क्लाइमेक्स ही बदल दिया था। आशा पारेख और राजेश खन्ना स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी। दर्शकों को फिल्म का क्लाइमेक्स पसंद नहीं आया। जिससे नाराज होकर नासिर हुसैन ने फिल्म का क्लाइमेक्स ही बदल डाला था। दरअसल, इससे पहले नासिर की सभी फिल्मों में रोमांस होता था और एक हैप्पी एंडिंग होती थी, लेकिन इस फिल्म का अंत काफी दुखद था। इसलिए दर्शकों को फिल्म का अंत पसंद नहीं आया और फिल्म फ्लॉप हो गई। जिसके बाद नासिर ने सिर्फ दो दिन में फिल्म का नया क्लाइमेक्स लिखकर शूट किया। फिर इस फिल्म को दूसरे हफ्ते में नई और हैप्पी एंडिंग के साथ एक बार फिर से रिलीज किया गया। हालांकि, फिल्म फिर भी चल नहीं पाई। जिसके बाद नासिर हुसैन ने कभी भी अपनी फिल्म का दुखत अंत नहीं रखा। फिल्म 'बहारों के सपने' नासिर के दिल के बेहद करीब थी, जिसका कारण था कि उन्होंने इस फिल्म की कहानी लखनऊ यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते हुए लिखी थी। इस फिल्म की कहानी के लिए नासिर हुसैन को अवॉर्ड भी मिला था, तभी से उन्होंने ये सोच लिया था कि एक दिन वो इस कहानी पर फिल्म जरूर बनाएंगे और वो अपने इसी सपने को पूरा करने के लिए मुंबई आए। बहारों के सपने उनकी पिछली सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग थी। ये फिल्म रंगीन फिल्मों के दौर में एक ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म थी। नासिर हुसैन ने 1988 में आई आमिर खान की पहली फिल्म 'कयामत से कयामत तक' की कहानी और संवाद लिखे थे। साथ ही वो फिल्म के निर्माता भी थे। इसके अलावा 1992 में आई आमिर की 'जो जीता वही सिकंदर' को भी प्रोड्यूस करने के साथ-साथ फिल्म की कहानी और संवाद नासिर हुसैन ने ही लिखे थे।

जब 'जुरासिक पार्क' के निर्देशक ने की जॉन अब्राहम की जमकर तारीफ, अभिनेता ने किया दिलचस्प खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'जुरासिक पार्क' के निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने जॉन अब्राहम की फिल्म वॉटर में उनकी अदाकारी की तारीफ की थी। जॉन ने हाल ही में यह दिलचस्प खुलासा

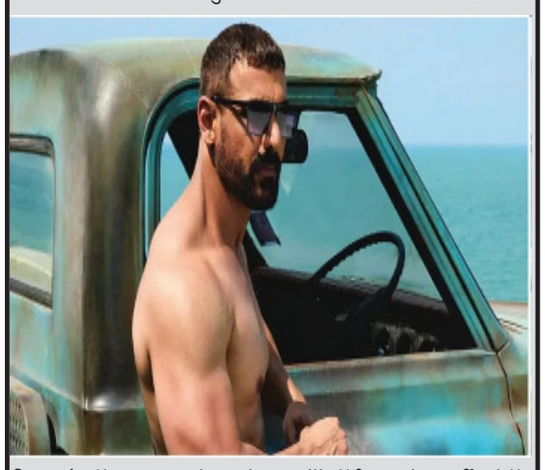

किया है।जॉन अब्राहम ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद वह बॉलीवुड में आए, लेकिन 20 साल से ज्यादा समय तक इंडस्ट्री में रहने के बावजूद उनकी एक्टिंग की अक्सर आलोचना होती रही। हालांकि, हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने जॉन की एक फिल्म देखने के बाद उनकी जमकर तारीफ की थी। इस बात का खुलासा खुद जॉन ने हाल ही में किया है। बुकमायशो के यूट्यूब चैनल पर जॉन ने हाल ही में 2006 के ऑस्कर समारोह का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि 'वॉटर' में वह लीड रोल में थे। उनके साथ लीजा रे, सीमा बिस्वास और वहीदा रहमान जैसे सितारे भी थे। यह फिल्म बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थी। भले ही फिल्म को ऑस्कर न मिला, लेकिन फिर भी उनके लिए वे पल खास रहे। जॉन ने कहा, ठऑस्कर में मुझे स्टीवन स्पीलबर्ग से मिलने का मौका मिला। उन्हें 'वॉटर' में मेरा काम बहुत पसंद आया, लेकिन यहां भारत में इस फिल्म पर किसी ने बात नहीं की।ठ उन्होंने हॉलीवुड एक्ट्रेस चार्लीज थेरॉन से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। चार्लीज ने जॉन से कहा, ठमुझे आपका काम अच्छा लगा'वॉटर' फिल्म की बनने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। पहले इसमें शबाना आजमी, नंदिता दास और अक्षय कुमार को कास्ट किया गया था। फिल्म की शूटिंग वाराणसी में होनी थी, लेकिन दीपा मेहता की पिछली फिल्म 'फायर' को लेकर विवाद के चलते 'वॉटर' की शूटिंग रोक दी गई। विरोध इतना बढ़ा कि प्रोजेक्ट बंद करना पड़ा। कई साल के बाद दीपा ने इसे फिर शुरू किया। इस बार नई कास्ट के साथ फिल्म श्रीलंका में शूट हुई।वर्क फ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म 'द डिप्लोमैट' में नजर आने वाले हैं। शिवम नायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है।

शादी में जरूर आना' की डायरेक्टर बोलीं, काम वही करें जिसमें खुशी मिलती हो, पैसे के पीछे न भागें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। निर्देशक रत्ना सिन्हा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि लोग ऐसा काम करें, जिसमें उन्हें खुशी मिले, न कि सिर्फ पैसे के पीछे भागें।विधु विनोद चोपड़ा की सहायक के तौर पर हिंदी सिनेमा में अपनी बोहनी करने वाली निर्देशक रत्ना सिन्हा जल्द ही अपनी नई फिल्म का एलान करने वाली हैं। वकीलों के परिवार में जन्मी रत्ना शुरू से नई लीक बनाने वाली इंसान रहीं, 1996 में दूरदर्शन के शो 'तरंग' से हुई। इसके बाद 'सहर' नाम की एक सीरीज की स्टार प्लस के लिए, और फिर लगातार कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी। 2005 से 2011 के बीच मैंने कई शोज प्रोड्यूस किए, लेकिन एक दिन अहसास हुआ कि मेरा असली सपना तो फिल्में बनाना था। तभी, टीवी एकदम से छोड़ दिया और फिल्मों पर काम शुरू कर दिया। मेरे करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट फिल्म 'शादी में जरूर आना' रही। भरोसा करने का हौसला रखते हैं। अगर वे नही होते, तो शायद 'शादी में जरूर आना' इतनी बेहतरीन फिल्म नहीं बन पाती। इस साल दो खास फिल्में बनाने का इरादा है। पहली फिल्म एक मजेदार कॉमेडी है, जिसका नाम 'बेनचिक' है। यह तीन लड़कियों की कहानी है, कास्टिंग जारी है। दूसरी फिल्म एक लव स्टोरी है। इसके हीरो अभय वर्मा साइन हो चुके हैं। नए निर्देशकों को बस यही कहना चाहूंगी कि फिल्म बनाने से पहले खुद को तैयार करें। खूब किताबें पढ़ें, ढेरो फिल्में देखें, दुनिया को समझें और अपनी कहानियों को संवारें। आजकल कई लोग बिना पूरी तैयारी के फिल्में बना रहे हैं, और शायद यही वजह है कि कई फिल्में दर्शकों से जुड़ नही पाती। फिल्में छोटी-बड़ी नहीं होतीं, सिर्फ कहानियां मायने रखती हैं। मेरी और अनुभव की कहानी बड़ी दिलचस्प है। जब मैं डिप्लोमा कर रही थी, तो हमें एक डॉक्यूमेंट्री बनानी थी। लेकिन, मैंने जिद पकड़ ली कि मुझे फीचर फिल्म बनानी है। कॉलेज वालों ने मना कर दिया कि हम इसमें मदद नहीं कर सकते हैं। मैंने अपने एक दोस्त से बात की और उसी के जरिए मेरी मुलाकात अनुभव से हुई। उस वक्त वह पंकज पाराशर के साथ काम कर रहे थे। मुझे पंकज पराशर के साथ काम तो नहीं मिला लेकिन हमारी दोस्ती गाढ़ी होती गई और 1995 में हमने शादी कर ली। मैंने अनुभव की पहली फिल्म 'तुम बिन' में उन्हें असिस्ट भी किया है।

उनकी हालिया री-रिलीज फिल्म 'शादी में जरूर आना' के इन दिनों खूब चर्चे हैं। मैं दिल्ली की हूं, लेकिन अब तक की जिंदगी का 80 प्रतिशत हिस्सा मुंबई में बिताया है। दिल्ली के हंसराज कॉलेज में शाहरुख खान हमारे सीनियर थे। मैं मुंबई 1992 में आई थी, मास मीडिया की पढ़ाई करने। दो साल बाद ही मुझे निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '1942: अ लव स्टोरी' में बतौर सहायक निर्देशक काम मिल गया और बस, गाड़ी चल निकली। स्वतंत्र निर्देशन की शुरुआत मेरी 1996 में दूरदर्शन के शो 'तरंग' से हुई। इसके बाद 'सहर' नाम की एक सीरीज की स्टार प्लस के लिए, और फिर लगातार कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी। 2005 से 2011 के बीच मैंने कई शोज प्रोड्यूस किए, लेकिन एक दिन अहसास हुआ कि मेरा असली सपना तो फिल्में बनाना था। तभी, टीवी एकदम से छोड़ दिया और फिल्मों पर काम शुरू कर दिया। स्वतंत्र निर्देशन की शुरुआत मेरी इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके गाने आज भी लोगों की प्लेलिस्ट मे बने हुए हैं। इस फिल्म की सफलता के बाद मुझे फिर से कई टीवी शोज के ऑफर मिले, लेकिन मैंने मना कर दिया क्योंकि मुझे पता था कि मेरा रास्ता अब फिल्मों का ही है। मेरा मानना है कि सिर्फ पैसे कमाने के लिए कोई भी काम नहीं करना चाहिए। काम वह करना चाहिए जिसमें खुशी मिलती हो। फिल्म 'शादी में जरूर आना' की शूटिंग हमने 'तू बन जा गली बनारस की' गाने की शूटिंग से की, एक शॉट है इसका जिसमें राजकुमार और कृति के पीछे से ट्रेन गुजर रही है। वह सीन मुझे आज भी भुलाए नहीं भूलता। उसके बाद दो फिल्में 'मिडल क्लास लव' और 'किसको था पता' भी बना चुकी हूं, लेकिन पहला प्यार और पहली फिल्म भुलाये नहीं भूलती। विनोद जी के प्रति मैं हमेशा आभारी रहूंगी। ऐसे सच्चे और ईमानदार इंसान इस इंडस्ट्री में कम ही मिलते हैं, जो नए निर्देशकों को मौका देने और उन पर

जुदा हो गए दो दिल, तमन्ना भाटिया के अलावा इन सितारों का भी हुआ ब्रेकअप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में रिश्ते बनते हैं, टूटते हैं। आए दिन किसी ना किसी सितारे के ब्रेकअप की खबर सुनने को मिलती है। हाल ही में कई सेलिब्रिटीज के ब्रेकअप चर्चा में रहे। जानिए, इस लिस्ट में कौन-कौन से सितारे शामिल हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर और मशहूर इंफ्लुएंसर फैजल शेख का हाल ही में ब्रेकअप हो चुका है। वैसे तो इन्होंने अपने रिश्ते को कभी खुलकर स्वीकार नहीं किया। लेकिन दोनों की नजदीकियां, हमेशा साथ दिखना बताता था कि जन्नत और फैजल रिलेशनशिप में हैं। हाल ही में जन्नत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की, साथ ही फैजल को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया। इसके बाद से ही अटकलें लगने लगीं कि यह जोड़ा भी अब अलग हो चुका है। इनके अलावा कुछ और बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी हैं, जिनके ब्रेकअप हाल-फिलहाल चर्चा में रहे हैं। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर का ब्रेकअप पिछले साल हुआ है। ये अकसर ही वैकेशन पर साथ नजर आते थे। लेकिन अचानक इनके बीच सब खत्म हो गया। अनन्या भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हैं, उनका नाम इन दिनों एक मॉडल से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का ब्रेकअप भी खूब खबरों में रहा है। दो साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इनका ब्रेकअप हुआ है। जबकि कुछ समय पहले तक इनकी शादी करने की खबरें सामने आ रही थीं। अब तक अपने ब्रेकअप पर तमन्ना या विजय वर्मा ने खुलकर कुछ नहीं कहा है। लगभग 7 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की राहें भी जुदा हो गईं। पिछले साल इनका ब्रेकअप हुआ। इस बारे में अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर खुलकर बात की, फैंस को बताया कि वह अब सिंगल हैं। लेकिन मलाइका अरोड़ा इस मुद्दे पर बात करने से हमेशा बचती रही हैं। कुछ समय पहले करीना कपूर के कजिन आदर जैन की शादी हुई है। लेकिन शादी से ज्यादा चर्चा इनके पिछले रिलेशनशिप की हुई। आदर जैन ने एक्ट्रेस तारा सुतारिया को चार साल तक डेट किया। बाद में तारा की ही बेस्ट फ्रेंड से शादी कर ली। आदर जैन को सोशल मीडिया पर भी काफी ट्रोल होना पड़ा क्योंकि उन्होंने तारा सुतारिया को अपना टाइम पास रिलेशनशिप बता दिया था।

महीप कपूर बोलीं-शनाया ने देखा है पिता संजय कपूर का संघर्ष, बेटी को बताया सेंसिटिव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में इस साल कई स्टार किड डेब्यू करेंगे। इन्हीं में से एक संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर भी है। शनाया के पास पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही बाकी फिल्मों के ऑफर भी आ चुके हैं। हाल ही में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने बेटी को लेकर कुछ खास बातें साझा कीं। हाल ही में बेजॉय नांबियार की फिल्म 'तू या मैं' का टीजर रिलीज हुआ। इस टीजर में शनाया कपूर भी नजर आईं, इस फिल्म के अलावा नई अभिनेत्री के पास कुछ और फिल्में भी हैं। हाल ही में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने बेटी को लेकर, उसके करियर को लेकर कुछ जरूरी बातें एक बातचीत में बताईं।हाल ही में फिल्मफेयर से की गई बातचीत में शनाया कपूर की मां महीप कपूर कहती हैं, 'उसने एक्टिंग की दुनिया में अपने पिता का संघर्ष देखा है। इस वजह से वह काफी सेंसिटिव है, अपने काम पर पूरा ध्यान देती है। शनाया ने कुछ फिल्में साइन की हैं और वह इनके लिए बहुत ज्यादा मेहनत कर रही है।' बेजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित फिल्म 'तू या मैं' में शनाया का किरदार काफी दमदार है। यह फिल्म एक सर्वाइवल थ्रिलर है। ा

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

स्पोर्ट्स

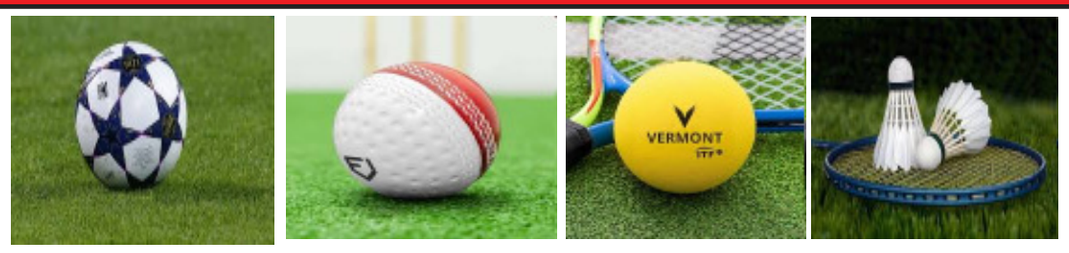

पंत की बहन की शादी में धोनी का दिखा कूल अंदाज, पत्नी साक्षी के साथ गाना गाया; गंभीर भी रहे मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पंत की बहन शादी में क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों का जमावड़ा लगा हुआ है। मंगलवार को धोनी और दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना देहरादून पहुंचे थे। मंगलवार को हल्दी की रस्म अदा की गई थी। इस दौरान दिग्गजों ने जमकर मस्ती की। लखनऊ सुपरजाएंट्स के नए कप्तान ऋषभ पंत की बहन साक्षी उद्योगपति अंकित चौधरी के साथ सात फेरे लेंगी। वह लंदन की एक निजी कंपनी के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर हैं। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और पिछले साल जनवरी में अंकित और साक्षी की सगाई हुई थी। इस शादी में करीबी रिश्तेदारों और खास दोस्तों को ही आमंत्रित किया गया है। धोनी इस शादी समारोह का विशेष आकर्षण केंद्र बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें धोनी और साक्षी पूरे जोश के साथ गाना गाते दिख रहे हैं। वहीं, भारतीय टीम के मुख्य कोच और 2011 वनडे विश्व कप टीम का हिस्सा रहे गौतम गंभीर भी इस शादी में शामिल होने के लिए बुधवार को पहुंचे थे। धोनी और गंभीर ने पंत के साथ फोटो खिंचवाई जिसमें उनकी बहन और उनके होने वाले पति भी मौजूद हैं।

की रस्म अदा की गई थी। इस दौरान दिग्गजों ने जमकर मस्ती की। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों मसूरी में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन की शादी में जमकर मजे कर रहे हैं। बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह पंत और सुरेश रैना के साथ डांस करते हुए नजर आए थे। अब एक और वीडियो सामने आया है जिसमें धोनी पत्नी साक्षी के साथ 'तू जाने ना...' गाना गाते नजर आ रहे हैं। पंत की बहन शादी में क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों का जमावड़ा लगा

खिताबी जीत के बाद गिल को मिला एक और तोहफा, महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए इन खिलाड़ियों को पछाड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। गिल ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में 87, कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 60 और फिर अहमदाबाद में खेले गए तीसरे

वनडे में 112 रन बनाए। अहमदाबाद में 102 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़कर गिल प्लेयर ऑफ द मैच के साथ सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस शानदार लय को चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रखा। दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा। गिल के लिए यह तीसरा आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान है। उन्होंने इससे पहले 2023 में दो बार (जनवरी और सितंबर) में इसे जीता था।

अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद शुभमन गिल को एक और तोहफा मिला है। गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता।गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में दो अर्धशतक

नॉकआउट मैच में मुंबई के सामने गुजरात की चुनौती, जीतने वाली टीम खेलेगी दिल्ली के खिलाफ फाइनल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस घरेलू परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई ने सोमवार को इसी मैदान पर लीग चरण के मैच में गुजरात को नौ रन

से हराया था। इस मैच में हरमनप्रीत ने 33 गेंद पर 54 रन की तूफानी पारी खेली थी। एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस घरेलू परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई ने सोमवार को इसी मैदान पर लीग चरण के मैच में गुजरात को नौ रन से हराया था। इस मैच में हरमनप्रीत ने 33 गेंद पर 54 रन की तूफानी पारी खेली थी। एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस घरेलू परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई ने सोमवार को इसी मैदान पर लीग चरण के मैच में गुजरात को नौ रन से हराया था। इस मैच में हरमनप्रीत ने 33 गेंद पर 54 रन की तूफानी पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के अपनी टीम में किसी तरह का बदलाव करने की संभावना नहीं है। हीली मैथ्यूज ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी है और साथ ही अपनी ऑफ स्पिन से विरोधी टीम को परेशान भी किया है। वेस्टइंडीज की इस ऑलराउंडर ने गुजरात के खिलाफ लीग चरण के दोनों मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह फिर से मैच विजेता बन सकती है। गुजरात के खिलाफ पिछले दोनों मैच में उन्होंने तीन-तीन विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए बल्लेबाजी में नेट सिवर-ब्रंट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आठ मैच में 416 रन बनाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज है। गुजरात के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से भी अच्छा योगदान दिया है। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत इस सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है लेकिन गुजरात के खिलाफ सोमवार को खेले गए मैच में अर्धशतक बनाने से उनका मनोबल बढ़ा होगा। गुजरात जाएंट्स की कप्तान एश्ले गार्डनर इस बात को अच्छी तरह से समझती हैं कि मुंबई को हराना आसान नहीं होगा और उसके लिए उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। गार्डनर के लिए यह सत्र अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। इसके बावजूद वह 235 रन बनाने में सफल रही। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाई थी और अब उन पर बड़ा स्कोर बनाने का दबाव होगा। गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में हरलीन देओल ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में अच्छी पारियां खेलकर अपनी टीम को इस मुकाम पर पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई है।मुंबई इंडियंसः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमालिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, एस. कीर्तन, अमेलिया कर, अक्षिता माहेश्वरी, हीली मैथ्यूज, सजीवन सजना, नेट सिवर-ब्रंट, परुनिका सिसोदिया, क्लो ट्राईटन।गुजरात जाएंट्सः एश्ले गार्डनर (कप्तान), हरलीन देओल, डिएंड्रा डॉटिन, भारती फुलमाली, काशवी गौतम, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, तनुजा कंवर, मन्नत कश्यप, फीबी लीचफील्ड, मेघना सिंह, बेथ मूनी, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, सायली सतघरे, शबनम शकील, सिमरन शेख, लाउरा वोल्वार्ड्ट।

संजू सैमसन ने की आईपीएल के इस नियम को खत्म करने की वकालत, बटलर के टीम में नहीं होने पर जताई निराशा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सैमसन और बटलर ने सात साल तक रॉयल्स की पारी की शुरुआत की, लेकिन टीम ने पिछले साल लीग की बड़ी नीलामी से पहले इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया। बटलर आगामी आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलेंगे। सैमसन ने कहा, आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने के साथ करीबी दोस्त बनाने का भी मौका देता है। बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक है। हमने सात साल तक एक साथ खेला। इस दौरान हमारी बल्लेबाजी साझेदारी का समय ही इतना लंबा है कि हम एक-दूसरे को अच्छे से समझ गए थे। वह मेरे लिए एक बड़े भाई की तरह हैं। जब भी मुझे कोई संदेह होता, मैं उनसे बात करता। जब मैं कप्तान बना तो वह मेरे उपकप्तान थे और उन्होंने मुझे एक अच्छा कप्तान बनने में मदद की।

आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत अब होने ही वाली हैं, लेकिन इससे पहले ही राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने खिलाड़ियों को रिलीज करने का नियम खत्म करने की वकालत की है। दरअसल, सैमसन लंबे समय तक राजस्थान फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे जोस बटलर के जाने से दुखी हैं और उनका कहना है कि वह अब तक इस बात को हजम नहीं कर पा रहे हैं कि इस बार बटलर उनकी टीम के साथ नहीं होंगे। सैमसन और बटलर ने सात साल तक रॉयल्स की पारी की शुरुआत की, लेकिन टीम ने पिछले साल लीग की बड़ी नीलामी से पहले इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया। बटलर

रोहित शर्मा के वनडे विश्व कप 2027 में खेलने को लेकर आया पोंटिंग का बयान, बताया क्या होगा लक्ष्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रन बनाए थे। पोंटिंग का कहना है कि भारतीय कप्तान ने यह पारी इसलिए खेली जिससे संन्यास की खबरें धूमिल हो जाएं और उन्होंने दिखाया कि वह अभी भी अच्छा खेल रहे हैं और भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप का हिस्सा होंगे या नहीं। रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद 50 ओवर के प्रारूप से संन्यास लेने की खबरों को खारिज कर दिया था और इसे अफवाह बताया था। अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी रोहित के वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर राय रखी है। पोंटिंग का मानना है कि रोहित का लक्ष्य होगा 2027 वनडे विश्व कप में खेलना। रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रन बनाए थे। पोंटिंग का कहना है कि भारतीय कप्तान ने यह पारी इसलिए खेली जिससे संन्यास की खबरें धूमिल हो जाएं और उन्होंने दिखाया कि वह अभी भी अच्छा खेल रहे हैं और भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी सीमित ओवर के टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुआई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी, लेकिन फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट

हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जब आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अच्छी पारी खेली थी। मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की थी। पोंटिंग ने कहा कि रोहित के दिमाग में अपने करियर को जारी रखने के पीछे वनडे विश्व कप जीतने की चाहत हो सकती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनके दिमाग में यह बात होगी कि भारत उनकी कप्तानी में पिछले वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गया था। वह वनडे विश्व कप जीतने के लिए एक और कोशिश करना चाहते होंगे। जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शानदार पारी खेली उससे आप यह नहीं कह सकते हैं कि वह चुक गए हैं।

खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगी दिल्ली, सामने होगी मुंबई की चुनौती; देखें संभावित प्लेइंग 11

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र में विजेता रही थी। उसने दिल्ली को ही हराकर खिताब अपने नाम किया

था। अब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होगीं महिला प्रीमियर लीग का तीसरा संस्करण अपने चरम पर पहुंच गया है। शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले में दिल्ली अपने खिताब के सूखे को खत्म करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी जबकि मुंबई की नजर दूसरी बार ट्रॉफी उठाने पर होगी। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र में विजेता रही थी। उसने दिल्ली को ही हराकर खिताब अपने नाम किया था। अब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होगीं। नेट सिवर ब्रंट और हीली मैथ्यूज के ऑलराउंड खेल के दम पर मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग में खिताब का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। सिवर ब्रंट (493 रन, नौ विकेट) और मैथ्यूज (17 विकेट और 304 रन) वर्तमान में क्रमशः बल्लेबाजी और गेंदबाजी तालिका में शीर्ष पर काबिज है। अगर यह दोनों अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हैं तो फिर मेग लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली की टीम के लिए पहली बार चैंपियन बनना आसान नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी मेग लैनिंग महिला क्रिकेट की सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। वह और उनकी टीम पहला डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दिल्ली की पुरुष टीम भी अभी तक आईपीएल जीतने में नाकाम रही है। दिल्ली की टीम ने बेहतर नेट रन रेट के आधार पर फाइनल में सीधे प्रवेश किया जबकि मुंबई की टीम ने एलिमिनेटर में गुजरात जाएंट्स को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मुंबई की टीम ब्रेबोर्न स्टेडियम की परिस्थितियों से अच्छी तरह से परिचित है और वह इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और दिल्ली के गेंदबाजों को उनसे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। कप्तान हरमनप्रीत कौर की फॉर्म में वापसी भी मुंबई के लिए अच्छा संकेत है। दिल्ली की तरफ से अभी तक स्पिनर जेस जोनासन और भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों ने 11-11 विकेट लिए हैं। जोनासन और शिखा के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली ने राउंड रोबिन के अपने अंतिम मैच में मुंबई की टीम को नौ विकेट पर 123 रन पर रोक दिया था। मुंबई के बल्लेबाजों को इन दोनों से सतर्क रहना होगा। सिवर ब्रंट और मैथ्यूज ने अभी तक गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन मुंबई के आक्रमण की मजबूत कड़ी ऑलराउंडर अमेलिया कर है जिन्होंने अभी तक 16 विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में इस लेग स्पिनर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मुंबई की तरफ से ऑफ स्पिनर संस्कृति गुप्ता ने भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। भले ही उन्होंने अभी तक केवल चार विकेट लिए हैं लेकिन उनका इकोनॉमी रेट सात से कम है। एदिल्ली के लिए बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा (300 रन) की पावर प्ले में बल्लेबाजी महत्वपूर्ण होगी। उनके अलावा दिल्ली की तरफ से लैनिंग ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने अभी तक 263 रन बनाए हैं। युवा बल्लेबाज निक्की प्रसाद में भी मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहित को मिला इस पूर्व भारतीय कप्तान का समर्थन, बोले- उन्हें भविष्य पर फैसला करने के लिए समय दें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित ने हालांकि, अपनी कप्तानी में भारत को करीब नौ महीने के भीतर दूसरा आईसीसी खिताब दिलाया। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित ने अपने संन्यास से जुड़ी खबरों को खारिज कर दिया था। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर इस बात से निराश हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें चल रही थी। वेंगसरकर ने रोहित का समर्थन करते हुए कहा कि रोहित जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को अपने भविष्य पर फैसला करने के लिए समय मिलना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद रोहित के भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। रोहित ने हालांकि, अपनी कप्तानी में भारत को करीब नौ महीने के भीतर दूसरा आईसीसी खिताब दिलाया। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित ने अपने संन्यास से जुड़ी खबरों को खारिज कर दिया था। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर इस बात से निराश हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें चल रही थी। वेंगसरकर ने कहा, मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं। 2027 विश्व कप तक अभी बहुत सारे मैच होने हैं। बहुत कुछ उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेगा। इस समय कुछ भी कहना उचित नहीं है लेकिन वह कप्तान और खिलाड़ी दोनों के रूप में शानदार रहे हैं। मुझे नहीं पता कि लोगों ने उनके संन्यास पर क्यों अटकलें लगाईं, यह गैरजरूरी है। उनके जैसे कद के खिलाड़ी को अपने भविष्य के बारे में फैसला करने का अधिकार होना चाहिए। टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी दोनों में बल्लेबाजी के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रोहित ने प्रभावशाली पारियां खेली। दुबई में उन्होंने सुनिश्चित किया कि भारत पावरप्ले का अधिक से अधिक लाभ उठाए, विशेषकर फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ बेहद दबाव में लक्ष्य का पीछा करते समय। वेंगसरकर ने कहा, रोहित इस समय जिस तरह से खेल रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक बनाए हैं। मैं उनके बारे में और क्या कह सकता हूं। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी बड़े मैच के खिलाड़ी हैं, जितना बड़ा मंच होगा, प्रदर्शन उतना ही बेहतर होगा। टीम के दृष्टिकोण से यह बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी मौजूदगी ही विपक्षी टीम का मनोबल गिरा देती है।

संक्षिप्त समाचार

रात भर हुई बरसात से मौसम में घुली ठंडक, हिसार के मय्यड़ में गिरे ओले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यमुनानगर में भी रात भर तेज बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया। कुरुक्षेत्र में भी रात भर बारिश होती रही। आज भी हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। हरियाणा में होली की रात बरसात से मौसम में ठंडक आ गई। हिसार के मय्यड़ में ओले गिरे। पानीपत में रात से सुबह सात बजे तक रुक रुक कर तेज बारिश हुई। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आई। वहीं यमुनानगर में भी रात भर तेज बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया। कुरुक्षेत्र में भी रात भर बारिश होती रही। आज भी हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री व न्यूनतम 15 डिग्री दर्ज किया गया है। 14 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही है।

होली के दिन करनाल में भाजपा पार्षद राजेश के घर पर हमला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजेश ने आगे बताया कि हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया और घर पर पथराव किया। इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया।

करनाल में बीती रात करीब 10 बजे नवनिर्वाचित भाजपा पार्षद राजेश के घर पर 30-35 बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों ने लाठी-डंडों और तलवारों से लैस होकर पार्षद के घर के बाहर खड़ी कार को नुकसान पहुंचाया और घर पर पथराव किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पार्षद राजेश ने बताया कि उनके घर पर अचानक बड़ी संख्या में बदमाश पहुंचे और हमला बोल दिया। उन्होंने बताया कि उनका भतीजा घर के बाहर खड़ा था, जिसे बदमाशों ने निशाना बनाया और उस पर हमला कर दिया। जब परिवार के अन्य लोग उसे बचाने पहुंचे, तो हमलावरों ने लाठी-डंडों और तलवारों से हमला कर दिया।

'हिंदी का विरोध करेंगे और इसी में फिल्में डब कर लाभ कमाएंगे', भाषा विवाद के बीच पवन कल्याण का तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। काकीनाडा जिले में एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कल्याण ने कहा, 'भारत को दो नहीं, अनेक भाषाओं की जरूरत है। हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए। सिर्फ अपने देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए भी यह जरूरी है।' केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद के बीच जनसेना पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने शुक्रवार को भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सिर्फ दो नहीं, तमिल समेत अनेक भाषाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कुछ लोग हिंदी का विरोध क्यों कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वही लोग फिल्मों को हिंदी में डब कर लाभ कमाने की अनुमति भी दे रहे हैं। काकीनाडा जिले आरोपों पर के बीच आई है। मामला राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के त्रि-भाषा फॉर्मूले को लेकर शुरू हुआ था। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर सीधे नाम लिए बिना कटाक्ष करते हुए पवन

की जरूरत है। हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए। सिर्फ अपने देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच प्रेम और एकता को बढ़ावा देने के लिए भी यह जरूरी है।' केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद के बीच जनसेना पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने शुक्रवार को भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सिर्फ दो नहीं, तमिल समेत अनेक भाषाओं की जरूरत है। उन्होंने में एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कल्याण ने कहा, 'भारत को दो नहीं, अनेक भाषाओं की जरूरत है। हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए। सिर्फ अपने देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच प्रेम और एकता को बढ़ावा देने के लिए भी यह जरूरी है।' दरअसल, पवन कल्याण जिले के पीथापुरम शहर में जनसेना पार्टी के 12वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। उनकी यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की ओर से केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने के कल्याण ने तमिलनाडु के राजनेताओं पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे हिंदी का विरोध करते हैं, लेकिन वित्तीय लाभ के लिए तमिल फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं। उन्होंने पूछा, 'मुझे समझ में नहीं आता कि कुछ लोग संस्कृत की आलोचना क्यों करते हैं। तमिलनाडु के राजनेता हिंदी का विरोध क्यों करते हैं, जबकि वित्तीय लाभ के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं? वे बॉलीवुड से पैसा चाहते हैं, लेकिन हिंदी को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। यह किस तरह का तर्क है।

घर में महिलाष्ठतो बाग में लटका मिला युवक का शव, पति बोला- पहले मेरी पत्नी को मारा, फिर खुद फंदे पर झूल गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ददौरा गांव में युवक का शव फंदे से लटका मिला है। महिला का शव संदिग्ध हालात में घर में मिला है। महिला के गले और हाथ पर निशान मिले हैं। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है।इटावा जिले में इकदिल थाना क्षेत्र के ददौरा गांव में गुरुवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे बाग में आम के पेड़ से युवक का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। करीब तीन घंटे बाद युवक के घर से लगभग 50 मीटर दूरी पर स्थित घर में महिला का शव संदिग्ध हालात में पड़ा मिला पुलिस ने महिला के घर भी जाकर जांच पड़ताल की। महिला के पति ने मरने वाले युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। ददौर गांव का शिवेंद्र दोहरे (21) मजदूरी करता था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे उसका शव घर से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर बगिया में आम के पेड़ से लटका मिला।करीब तीन घंटे बाद शिवेंद्र के घर से लगभग 50 मीटर दूर महिला का शव मिलने की जानकारी मिली। यह गांव के अखिलेश दोहरे की पत्नी पूजा (30) का शव था, जो घर में संदिग्ध हालात में पड़ा था। पुलिस ने वहां पहुंचकर जांच की। महिला के गले पर रस्सी के निशान थे। हाथों पर भी अंगुलियां छपी थीं। सीओ सिटी रामगोपाल शर्मा, प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह चौहान ने पति और बच्चों से पूछताछ की। पति ने शिवेंद्र दोहरे पर हत्या का आरोप लगाया। कहा कि युवक ने पूजा की हत्या कर फंदे से लटक गया। पुलिस ने महिला के शव का भी पोस्टमार्टम कराया है। उधर, युवक और महिला के बीच संबंधों की भी गांव में चर्चाएं हैं। हालांकि परिवार वाले इससे इन्कार कर रहे हैं। वहीं, एक साथ दो शव मिलने से इलाके में खलबली मची हुई है। अखिलेश दोहरे हरियाणा के भिवाड़ी में रेस्टोरेंट में खाना बनाने का काम करता है। घर में उसकी पत्नी पूजा (30), दो बेटियां साक्षी (07), लोकेश (05) और बेटा लोकेश (04) रहते हैं। अखिलेश ने बताया कि वह सुबह करीब आठ बजे घर पर आया था। उस समय बैग बाहर के कमरे में रखकर गांव वालों के साथ बैठने चला गया था।

होली खेलने के बाद गंगा स्नान के लिए जा रहे ग्रामीणों का वाहन पलटा, 11 साल के बच्चे की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शुक्रवार को पथरी क्षेत्र के रानीमाजरा गांव में दिनभर होली खेलने के बाद मेघराज अपने परिवार के साथ गंगा स्नान के लिए मैक्स वाहन में रवाना हुआ था। रास्ते में वाहन का संतुलन बिगड़ने से वाहन पलट गया। हरिद्वार के पथरी थाना क्षेत्र के ग्राम रानीमाजरा में होली खेलने के बाद गंगा स्नान के लिए जा रहे ग्रामीणों का वाहन पलट गया, जिससे एक 11 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। पांच अन्य लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। शुक्रवार को पथरी क्षेत्र के रानीमाजरा गांव में दिनभर होली खेलने के बाद मेघराज अपने परिवार के साथ गंगा स्नान के लिए मैक्स वाहन में रवाना हुआ था। रास्ते में वाहन का संतुलन बिगड़ने से वाहन पलट गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। विज्ञापन सूचना पर फेरूपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में सचिन कुमार के 11 वर्षीय बेटे देव की मौत हो गई। वहीं, सचिन की पत्नी वंदना, रामनिवास की पत्नी पूजा, मेघराज की पत्नी भूमेश, रविंद्र का 13 वर्षीय बेटा आदि और सोनू उर्फ आशीष घायल हो गए। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल भूमेश और आदि को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया है। इस हादसे के बाद रानीमाजरा गांव में मातम का माहौल है। मृतक देव के घर पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का तांता लगा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने और घायलों के इलाज में हरसंभव मदद की मांग की है। पथरी थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीण होली खेलने के बाद रंग उतारने के लिए गंगा स्नान के लिए निकले थे, तभी रास्ते में वाहन पलटने से यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तेलंगाना की सुरंग में २१ दिन से फंसे हैं सात श्रमिक, रोबोट इस्तेमाल से भी सफलता नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तेलंगाना के नागरकुरनूल में श्रीशैलम लेफ्ट कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद, सात श्रमिक उसके अंदर फंसे हैं। श्रमिकों को सकुशल

सुरंग से वापस निकालने के लिए तलाशी और बचाव अभियान जारी है। अब श्रमिकों की तलाशी के लिए विशेष उपकरणों से लैस रोबोट की मदद ली जा रही है। तेलंगाना के नागरकुरनूल में श्रीशैलम लेफ्ट कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की सुरंग में सात श्रमिक 21 दिन से फंसे हैं। शुक्रवार को भी श्रमिकों की खोजबीन के लिए तलाशी अभियान जारी रहा। श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालने और उनकी तलाश करने के लिए अब विशेष उपकरणों से लैस 'हाइड्रोलिक संचालित एक रोबोट' को तैनात किया गया। हालांकि, अभी तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विशेष उपकरणों में 30 हॉर्स पावर (एचपी) क्षमता का 'लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप' और एक 'वैक्यूम टैंक' मशीन शामिल है, जो सुरंग के अंदर तेजी से मिट्टी हटाने और अन्य कार्यों में मदद करेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नवीनतम तकनीक वाली मशीनों का इस्तेमाल करने से काम को तेजी से और कुशलता से पूरा किया जा सकेगा। इससे पहले दिन में, अभियान में शामिल विभिन्न संस्थानों के कर्मी आवश्यक उपकरण लेकर सुरंग के अंदर गए। सरकारी खनन कंपनी 'सिंगरेनी कोलियरीज' के बचावकर्मी, लापता व्यक्तियों की खोज के लिए खनिकों के साथ मिलकर स्थानों पर खुदाई कर रहे हैं।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रोबोट सुरंग के भीतर 'खतरनाक स्थानों' पर पहुंच सकते हैं, जहां इंसान नहीं जा सकते, और ये 15 गुना अधिक दक्षता से काम कर सकते हैं। सुरंग में 24 घंटे तलाशी अभियान चल रहा है, जिसमें सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), एचआरडीडी, सिंगरेनी कोलियरीज, रोबोटिक्स कंपनी और अन्य टीम सक्रिय रूप से शामिल हैं।

रंगों में सराबोर देवभूमि सियासत पर भी चढ़ा होली का खुमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देवभूमि उत्तराखंड रंगों में सराबोर है। यहां चमोली की गोपीनाथ मंदिर में खेली गई होली खासतौर पर मंत्रमुग्ध कर देनी वाली हैउत्तराखंड में जगह-जगह होली का

त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाइयां दी। सियासत पर होली का रंग चढ़ा। सीएम भी सबके संग खूब झूमे। सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्रियों हरीश रावत, भगत सिंह कोश्यारी और तीरथ सिंह रावत के आवास पर जाकर होली की शुभकामनाएं दीं और रंग लगाया। वहीं गोपेश्वर के गोपीनाथ मंदिर में भव्य होली खेली गई। उत्तराखंड में जगह-जगह होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाइयां दी। सियासत पर होली का रंग चढ़ा।

राजधानी में होली पर सुरक्षाबल मुस्तैद, चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच मस्जिदों में अदा की गई नमाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने जामा मस्जिद क्षेत्र के आसपास तैनात पुलिसकर्मियों से मुलाकात की और उन्हें होली की शुभकामनाएं दी। वहीं

सुरक्षाकर्मियों ने आज जहांगीरपुरी इलाके में फ्लैग मार्च किया और लोगों के बीच मिठाइयां बांटी। होली के मौके पर राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षाबल तैनात किया गया है। डीसीपी साउथ वेस्ट सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि होली पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमने जगह-जगह अपने स्टाफ को तैनात किया है और बैरिकेड्स लगाए हैं, आज जुम्मा की नमाज भी है हमने सभी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी को कोई परेशानी न हो। डीसीपी सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट एम हर्षवर्धन ने बताया कि उचित व्यवस्था की गई है, सब कुछ शांतिपूर्वक चल रहा है। अभी तक कोई समस्या नहीं हुई है हमारे वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने ड्यूटी पॉइंट पर कर्मचारियों से मिल रहे हैं और उन्हें प्रेरित कर रहे हैं।दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने जामा मस्जिद क्षेत्र के आसपास तैनात पुलिसकर्मियों से मुलाकात की और उन्हें होली की शुभकामनाएं दी। वहीं सुरक्षाकर्मियों ने आज जहांगीरपुरी इलाके में फ्लैग मार्च किया और लोगों के बीच मिठाइयां बांटी। पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि हमने कई दिन पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी जिम्मेदार और समझदार लोगों से संपर्क स्थापित कर लिया था, अगर कोई शांति भंग करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। होली और जुमे के अवसर पर पश्चिमी दिल्ली में मदीना मस्जिद ख्याला के बाहर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं। दिल्ली में रमज़ान के दूसरे जुमे के अवसर पर मस्जिद फ़तेहपुरी में नमाज़ अदा करते श्रद्धालु, वहीं मस्जिद फ़तेहपुरी के बाहर मौजूद दिल्ली पुलिस के जवान।

नदी किनारे मिला था 22 साल की स्वाति का शव; हत्या की पुष्टि के बाद पूर्व सीएम बोले- यह लव जिहाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक में एक नर्स की मौत के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया, क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी हत्या की पुष्टि हुई है। मामले को भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने 'लव जिहाद' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। कर्नाटक में एक नर्स की मौत के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया, क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी हत्या की पुष्टि हुई है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, भाजपा नेता और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने इसे 'लव जिहाद' का मामला करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। स्वाति ब्यादगी (22) का शव फतेहपुर गांव में तुंगभद्रा नदी के पास मिला था। वह तीन मार्च को लापता हुई थी। वह हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के मसुरु गांव की मूल निवासी थी और रानेबेन्नूर में काम करती थी। स्वाति के शव की पहचान उसके परिवार ने की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे उसकी हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी और मामले में नयाज नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, स्वाति और नयाज के बीच संबंध था। उसने स्वाति से शादी करने का वादा किया था। हालांकि, अपने समुदाय की दूसरी युवती से उसकी शादी तय होने के बाद वह स्वाति से दूरी बनाने लगा।

जब स्वाति ने उसे धमकी दी कि अगर उसने उसे छोड़ा तो वह उसका पर्दाफाश कर देगी, तो नयाज ने कथित तौर पर उसे मारने की साजिश रची।

'मां-बेटे को तड़पाकर मारना था मकसद', इसलिए अपनाया ये दर्दभरा तरीका; कातिल शनि का चौंकाने वाला कबूलनामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कौशांबी के चरवा कोतवाली के काजू गांव में दोहरा हत्याकांड को अंजाम देने वाले कातिल शनि को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के सामने कातिल ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। यूपी के देवरिया से गिरफ्तार कर कौशाम्बी लाया गया काजू गांव में दोहरे

हत्याकांड का मुख्य आरोपी शनि पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी की बरामदगी के लिए एसओजी टीम उसे काजू गांव ले गई थी। एक खंडहर में उसने झोले में कुल्हाड़ी रखी थी, जिसमें लोड किया हुआ तमंचा भी था। उसी तमंचे से उसने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने अपना बचाव करने हुए गोलियां दागीं। गोली बाएं पैर में लगने से शनि जख्मी हो गया। इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती करा दिया है। काजू गांव निवासी संगमलाल की पत्नी संगीता व बेटा सरबजीत की घर में घुसकर धारदार हथियार से हत्या करने वाले मुख्य आरोपी शनि को देवरिया के भटनी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ व जीआरपी ने गिरफ्तार किया था। जिले से एसओजी उसे वहां से ले आई थी। सीओ सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि आरोपी को देर रात चरवा कोतवाली लाया गया था मुख्य आरोपी ने वारदात में तमंचे का उपयोग नहीं किया। इस सवाल का भी जवाब पुलिस ने दे दिया है। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव, मुठभेड़ के बाद पकड़े गए आरोपी शनि ने पूछताछ में बताया कि मां-बेटे को वह तड़पाकर मारना चाहता था। इस वजह से उसने तमंचे से गोली चलाने के बजाय कुल्हाड़ी का प्रयोग किया। एसपी ने बताया कि वैसे भी आरोपी के चेहरे पर मां-बेटे की हत्या का जरा भी अफसोस नजर नहीं आ रहा था। वह यही बोल रहा था कि ऐसे लोगों को मौत की नींद ही सुला देना चाहिए। दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने प्रयागराज से पटना तक के रास्ते में पड़ने वाले 13 स्टेशनों पर उसकी फोटो भिजवाई थी। हालांकि, उसने पुलिस को चकमा देने के लिए सफर के दौरान तीन ट्रेनें बदली। फिर भी वह पुलिस के बुने जाल में फंसकर भटनी स्टेशन पर पकड़ लिया गया। पुलिस की लापरवाही के चलते थानेदार समेत तीन कर्मियों को निलंबित कर दिया गया था। आईजी ने भी फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने के निर्देश दिए थे। पुलिस पर लगे इस दाग को मिटाने के लिए दो दिन तक पूरी तरह से फिल्डिंग सजाई गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक:-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।